mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-230 | पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

22 अगस्त 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

# मुंबई को बारिश से राहत, कुछ हिस्सों में धूप खिली ; पानी से भरे गड्ढे में चार बच्चे डूबे

**नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी।** इस बीच यवतमाल जिले के दारव्हा शहर में बुधवार को रेलवे फ्लाईओवर के लिए बनाए जा रहे पानी से भरे गड्ढे में 10 से 14 साल की उम्र के चार बच्चे डूब गए। पुलिस ने बताया कि बच्चे दारव्हा रेलवे स्टेशन के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास खेल रहे थे, जहां खंभे लगाने के लिए एक बड़ा गड्ढा खोदा गया था। मृतकों की पहचान रिहान असलम खान, गोलू पांडुरंग नारनवरे, सौम्या सतीश खड़सन और वैभव आशीष बोथले के रूप में हुई है।

**मध्य और पश्चिम रेलवे की उपनगरीय सेवाओं में कुछ देरी :** इससे पहले कुछ यात्रियों ने मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे पर उपनगरीय सेवाओं में कुछ देरी की शिकायत की। एक अधिकारी ने बताया कि बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम की बसें सामान्य रूप से चल रही हैं।

**सड़कें और रेल पटरियां जलमग्न; उड़ानें और रेल सेवाएं बाधित थीं :** इस बीच बारिश की तीव्रता कम होने लगी, जिससे जनजीवन पटरी पर लौट आया। एक दिन पहले ही भारी बारिश ने आर्थिक राजधानी में तबाही जैसे हालात बना दिए थे। इससे सड़कें और रेल पटरियां जलमग्न हो गई थीं। उड़ानें और रेल सेवाएं बाधित हुई थीं।

मध्य रेलवे की हार्बर लाइन (सीएसएमटी-पनवेल मार्ग) पर लोकल ट्रेन सेवाएं 15 घंटे की रुकावट के बाद बुधवार सुबह 3 बजे से फिर से शुरू हो गई, जिससे यात्रियों को राहत मिली।

## एक ही परिवार के पांच सदस्य अपने घर पर मृत पाए गए

### हैदराबाद के महबूबपेट इलाके की घटना; जांच शुरू

**हैदराबाद,एजेंसी।** तेलंगाना से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां हैदराबाद के महबूबपेट इलाके के मक्था में एक ही परिवार के पांच सदस्य अपने घर पर मृत पाए गए। मियापुर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ने बताया, हमें सूचना मिली है कि महबूबपेट इलाके के मक्था स्थित एक ही परिवार के पांच सदस्य अपने घर पर मृत पाए गए हैं। मृतकों में एक व्यक्ति, उसकी पत्नी, उनकी बेटी, दामाद और पोती शामिल हैं। हमने मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं।

**मामले में आत्महत्या का संदेह :** पुलिस ने बताया कि पड़ोसी राज्य कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के एक परिवार के पांच सदस्य गुरुवार को अपने घर पर मृत पाए गए। पुलिस ने मामले में आत्महत्या का संदेह जताया है। मृतकों में एक 60 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 55 वर्षीय पत्नी, दामाद, बेटी और दो साल की पोती शामिल हैं। पड़ोसियों ने गुरुवार सुबह पुलिस को घटना की सूचना दी और मियापुर थाने की एक टीम मौके पर पहुंची।

## उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उमीदवार रेड्डी ने किया नामांकन, खरगे-सोनिया रहे मौजूद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी ने राज्यसभा महासचिव (जो उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी भी हैं) के समक्ष नामांकन पत्रों के चार सेट जमा किए।

राकांपा (सपा) प्रमुख शरद पवार, सपा नेता रामगोपाल यादव, द्रमुक के तिरुचि शिवा, तृणमूल कांग्रेस की शताब्दी रॉय, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, माकपा के जॉन ब्रिटास नामांकन के लिए उपस्थित विपक्षी नेताओं में शामिल थे। लगभग 160 सांसदों ने प्रस्तावक और समर्थक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन दस्तावेजों की जांच की और रेड्डी को एक पावती पर्ची सौंपी।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी अपना वोट डालने के पात्र होते हैं। निर्वाचक मंडल की प्रभावी संख्या 781 है और बहुमत का आंकड़ा 391 है। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है। सत्तारूढ़ दल को कम से कम 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। वाईएसआरसीपी जैसी विपक्षी गठबंधन से इतर पार्टियां पहले ही राधाकृष्णन को समर्थन देने की घोषणा कर चुकी हैं।

इससे पहले बुधवार को खरगे ने घटक दलों के नेताओं से उनका परिचय करवाया। संसद के केंद्रीय कक्ष में खरगे के साथ पहुंचे सुदर्शन का स्वागत करने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी समेत अन्य विपक्षी दलों के नेता मौजूद थे। उनके साथ हुई बैठक में गठबंधन के सभी सहयोगियों ने अपना पक्ष रखा। नामांकन से पहले खरगे ने कहा था कि बी. सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव केवल एक पद के लिए प्रतियोगिता नहीं है। यह हमारे राष्ट्र की आत्मा के लिए एक वैचारिक लड़ाई है। जहां सत्तारूढ़ दल ने आरएसएस की विचारधारा को चुना है, वहीं हम संविधान और उसके मूल्यों को अपना मार्गदर्शक मानते हैं।

### रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड, बद्रीनाथ-गंगोत्री हाईवे बंद

## ताजमहल तक पहुंची यमुना, पोरबंदर में घर डूबे; हिमाचल में अब तक 145 मौतें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश के पश्चिमी हिस्से महाराष्ट्र और गुजरात में बारिश के कारण जन-जीवन प्रभावित हुआ है। दोनों राज्यों में आज रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में यमुना के कारण कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। 40 गांव अलर्ट पर हैं। मथुरा में यमुना नदी कटान के बाद अपना मूल रास्ता छोड़कर 2km दूर बह रही हैं। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड के कारण बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। गंगोत्री हाईवे धरासू पुराना थाना और सोनागढ़ के पास ब्लॉक है। यमुनात्री हाईवे भी नारदचट्टी के पास बंद है। कुथनौर में ट्रैफिक शुरू हो गया है। बाकी जगहों पर मलबा हटाने का काम जारी है। इधर, गुजरात के तटीय जिलों में बुधवार को भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए। जूनागढ़ जिले में 12 घंटों में 331द्बद्ब बारिश हुई। NDRF ने पोरबंदर जिले के एक स्कूल में फंसे 46 बच्चों और 4 टीचर्स को बचाया। वहीं, महाराष्ट्र में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते दिन मुंबई में 107.4mm बारिश हुई। ठाणे जिले में पानी से भरी खदान में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश से जुड़े हादसों में 145 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में बारिश के कारण हुए हादसों में 2281 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

## लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

**नई दिल्ली।** लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। इस सत्र में 14 विधेयक प्रस्तुत किए गए और 12 विधेयक पारित हुए। विपक्ष के बिहार में मतदाता सूची अपडेट की प्रक्रिया और अन्य मुद्दों पर हंगामा के चलते कार्यवाही प्रभावित रही। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र के समापन पर सदन में हुए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियोजित व्यवधानों के कारण 120 घंटे की तय चर्चा में से केवल 37 घंटे ही चर्चा संभव हो पाई। सत्र 21 जुलाई को प्रारंभ हुआ था और आज इसकी समाप्ति की घोषणा की जा रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सदन में उपस्थित रहे। बिरला ने बताया कि सदन में 28-29 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा हुई, जिसका समापन प्रधानमंत्री के जवाब से हुआ। इसके अलावा 18 अगस्त को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर विशेष चर्चा आयोजित की गयी। इस सत्र में 419 तारांकित प्रश्न पूछे जाने के लिए सूचीबद्ध किए गए थे। किंतु लगातार व्यवधानों के कारण केवल 55 प्रश्नों के ही मौखिक उत्तर दिए जा सके। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि प्रारंभ में तय हुए 120 घंटे की चर्चा के स्थान पर मात्र 37 घंटे की ही कार्यवाही हो पाई। उन्होंने कहा कि संसद जनता की अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए सदन में मर्यादित भाषा और आचरण बनाए रखना आवश्यक है।

### भारत-अमेरिका में रक्षा सहयोग पर सहमति

## रक्षा मंत्रालय बोला- सैन्य खरीद से मजबूत होगा रणनीतिक रिश्ता

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारत और अमेरिका के रक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को दिल्ली में बैठक कर रक्षा खरीद से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देशों ने आपसी रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। ये मुलाकात इसलिए भी अहम है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंपर की हालिया टैरिफ नीति के कारण दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी दिख रही है।

**दोनों देशों के बीच रक्षा खरीद के मुद्दों पर विस्तार से बातचीत :** रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि अमेरिकी रक्षा विभाग के डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी (दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया) डॉ. एंड्रयू बायर्स ने भारत के संयुक्त सचिव (समुद्री एवं सिस्टम अधिग्रहण) दिनेश कुमार से मुलाकात की।

### राहुल बोले- देश को मध्यकाल में धकेला जा रहा

## तब राजा का मूड ही कानून था, वे नापसंद लोगों को गिरफ्तार करवा देते थे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को गंभीर केस में गिरफ्तारी पर पद से हटाने से जुड़े तीन बिलों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश को मध्ययुगीन काल में वापस धकेला जा रहा है, जब राजा किसी को भी गिरफ्तार करवा देते थे, जो उन्हें पसंद नहीं होता था। राहुल संविधान सदन (पुरानी संसद) के सेंट्रल हॉल में विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, निर्वाचित प्रतिनिधि की अब कोई अवधारणा ही नहीं बची। उन्हें आपका चेहरा पसंद नहीं तो ED से केस करा दिया, 30 दिन में लोकतांत्रिक तरीके से चुना व्यक्ति खत्म।

### वोटर अधिकार यात्रा-

## जवान के पैर पर चढ़ी तेजस्वी की गाड़ी दाहिने पैर की हड्डी 3 जगह से टूटी, पटना रैफर

### शेखपुरा में सिक्योरिटी में तैनात था

**शेखपुरा,एजेंसी।** बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान गुरुवार को शेखपुरा में झारखंड सशस्त्र पुलिस (JAP) का जवान शंभू सिंह (40 साल) तेजस्वी की गाड़ी के नीचे आ गया। उनके दाहिने पैर की हड्डी 3 जगह से टूट गई। गंभीर हालत में उन्हें पटना रैफर किया गया है।बताया जा रहा है कि शेखपुरा शहर के खांड इलाके में काफिला पहुंचने के दौरान शंभू सुरक्षा घेरे में चल रहे थे। तेज गर्मी के कारण वे अचानक गिर गए। उसी दौरान तेजस्वी की गाड़ी जवान के पैर के ऊपर से गुजर गई। दो दिन पहले नवादा में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की थार गाड़ी ने एक पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में बॉडीगार्ड महेश कुमार का पैर फ्रैक्चर हो गया था।

वोटर अधिकार यात्रा का आज 5वां दिन है। इसकी शुरुआत शेखपुरा के त्रिमुहानी स्थित दुर्गा मंदिर से हुई। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं।

## हमले के बाद दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को ज़ेड प्लस सिक्योरिटी

- **20+ हथियारबंद सीआरपीएफ जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे, जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ था**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को केंद्र सरकार ने ँ कैटेगरी की VIP सुरक्षा प्रदान की है। सीएम सिक्योरिटी में 22 से 25 हथियारबंद जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे।

गुप्ता और उनके आधिकारिक आवास की सुरक्षा अर्धसैनिक बल का VIP सिक्योरिटी ग्रुप करेगा। यह ग्रुप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सोनिया-राहुल और प्रियंका गांधी की सुरक्षा में भी तैनात है।

दरअसल, सीएम रेखा पर 20 अगस्त की सुबह करीब 8.15 बजे जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया। आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला राजेशभाई खीमजी है, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी को बुधवार रात दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में एक मजिस्ट्रेट के घर पर पेश किया गया। इसके बाद उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। राजेश पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

गुजरात में भी राजेश पर चाकूबाजी समेत 5 केस पहले से दर्ज हैं। हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान उसके पास कोई हथियार नहीं मिला। इंटेलिजेंस ब्यूरो और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल उससे पूछताछ कर रही है। जनसुनवाई में शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उसने हमला किया। हमले में चोटिल सीएम रेखा के हाथ, कंधे और सिर पर चोटें आई हैं। फिलहाल वे घर से काम कर रही हैं।

## न्यायिक सक्रियता, न्यायिक आतंकवाद नहीं बननी चाहिए, समय-सीमा तय करने के मामले में बोले सीजेआई

**नई दिल्ली,एजेंसी।** राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने के मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायिक सक्रियता, न्यायिक आतंकवाद नहीं बनना चाहिए। गुरुवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि निर्वाचित लोगों को काफी अनुभव होता है और उसे कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। इस पर सीजेआई जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि हमने कभी भी निर्वाचित लोगों के बारे में कुछ नहीं कहा है। मैंने हमेशा कहा है कि न्यायिक सक्रियता, कभी भी न्यायिक आतंकवाद या न्यायिक रोमांच नहीं बनना चाहिए। पीठ में सीजेआई जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिएस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर भी शामिल हैं। तुषार मेहता ने अपने सबमिशन में सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया, जिसमें राज्यपालों की शक्तियों पर बात की गई। इस मामले पर सुनवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। मेहता ने कहा कि निर्वाचित लोग सीधे तौर पर जनता का सामना करते हैं। अब लोग जनप्रतिनिधियों से सवाल करते हैं। 20-25 साल पहले हालात अलग थे। अब मतदाता जागरूक हैं और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता।

## म्यांमार से घुसपैठ को लेकर बीरेन सिंह ने जताई चिंता

### मणिपुर में सात उग्रवादी गिरफ्तार

**इंफाल, एजेंसी।** मणिपुर के पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह ने पूर्वोत्तर के राज्यों खास तौर पर म्यांमार में हो रही घुसपैठ पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि म्यांमार में बाहरियों को आना हकीकत है और यह लगातार जारी है। उनका यह बयान असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा की टिप्पणी के बाद आया है। विकास लखेड़ा ने मणिपुर विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में बोलते हुए बुधवार को बताया था कि 31 दिसंबर 2024 से अब तक लगभग 42,000 लोग भारत में घुसे हैं, जिनका बायोमेट्रिक रिकॉर्ड लिया गया है और संबंधित एजेंसियों के साथ साझा किया गया है।

### अहमदाबाद के स्कूल में 10वीं के छात्र की हत्या

## 8वीं क्लास के स्टूडेंट ने बॉक्स कटर से किया था हमला, दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी

**अहमदाबाद, एजेंसी।** गुजरात के अहमदाबाद में सेवेंथ डे स्कूल में 10वां के एक छात्र ने क्लास के एक स्टूडेंट की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात मंगलवार दोपहर की है। घायल स्टूडेंट को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां देर शाम उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद स्कूल और आसपास के इलाके में तनाव का माहौल है। युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने मणिनगर और आसपास के इलाकों में बंद का ऐलान किया है। इसके चलते पूरे मणिनगर, खोखरा, इसनपुर इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सेवेंथ डे स्कूल के बाहर भी पुलिस का पहरा है।

विरोध में सिंधी मार्केट बुधवार शाम से ही पूरी तरह से बंद है। आज मणिनगर, खोखरा, इसनपुर इलाकों के लगभग 200 स्कूल बंद में शामिल हुए हैं। वहीं, सेवेंथ डे स्कूल ने सुरक्षा कारणों से स्कूल को अगले कुछ दिनों तक बंद रखने का फैसला किया है।

दोनों स्टूडेंट के बीच थी पुरानी रंजिश खोखरा पुलिस के मुताबि पुलिस जांच में पता चला है कि कुछ दिनों पहले इन स्टूडेंट्स के बीच कहासुनी हो गई थी। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी छात्र ने मंगलवार को स्कूल की छुट्टी होते ही नयन सिंधी पर बॉक्स कटर से हमला कर दिया था।

आरोपी की चैट हुई वायरल हत्या के बाद आरोपी छात्र की एक दोस्त से हुई चैट सामने आई है। चैट में सामने वाला साथी कहता है कि तूने चाकू मारा था। वो मर गया है। चाकू नहीं मारना चाहिए था। इस पर आरोपी स्टूडेंट ने जवाब दिया- छोड़ न, अब जो होएगा वो होएगा। इस पर सामने वाला साथी कहता है- अपना ध्यान रखना, तू अंडरग्राउंड हो जा और ये चैट डिलीट कर देना। प्रिंसिपल समेत पूरे स्टाफ को पीटा हत्या की वारदात से गुस्साए सिंधी समुदाय के लोग, बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी के कार्यकर्ता बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे। स्कूल पहुंचते ही करीब 2000 लोगों की भीड़ ने पहले तो स्कूल के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसके बाद रेलिंग कूदकर स्कूल के अंदिर दाखिल हो गए।

अंदर घुसते ही लोगों ने गार्ड, बस ड्राइवर्स को पीटना शुरू कर दिया। गुस्साई भीड़ ने पार्किंग में खड़ी बसों, कारों और दोपहिया वाहनों में भी जमकर तोड़फोड़ की। प्रिंसिपल और अन्य स्टाफ सदस्यों को भी जमकर पीटा। सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें स्कूल पहुंची। लेकिन, लोग इतने गुस्से में थे कि पुलिसकर्मियों के सामने ही पूरे स्टाफ को पीटते रहे। सूचना मिलते ही मणिनगर विधायक, डीसीपी बलदेव देसाई और एसीपी स्कूल पहुंचे। बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने स्कूल में जय श्री राम के नारे लगाए। करीब एक घंटे के हंगामे के बाद भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा।

# सिद्धार्थ ने यों की मां-बाप और भाई की हत्या धारदार चाकू से गला रेता, ईंट से कुचला चेहरा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण दिल्ली के मैदान गढ़ी थाना इलाके के खरक गांव में बुधवार शाम दिल दहला देने वाला तिहरा हत्याकांड हुआ। हत्यारोपी सिद्धार्थ (उम्र 22-23 वर्ष) ने अपने पिता प्रेम सिंह (48), मां रजनी (45) और भाई बेटा ऋतिक (24) की बेरहमी से हत्या कर दी। लहूलुहान हालत में मिले तीनों शवों के गले पर धारदार चाकू से गला रेतने के निशान थे और चेहरा ईंट से कुचला गया था। पुलिस को दूसरी मंजिल और ग्राउंड फ्लोर से एक-एक चाकू मिला है। जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक अवसाद में था और उसका एम्स से इलाज चल रहा था। वह अभी फरार है, उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि पुलिस को मकान संख्या 155, सतबारी खरक गांव से बुधवार शाम पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। कॉलर ने बताया कि यहां एक लड़के ने अपना हाथ काट लिया है। घर में बहुत सारा खून पड़ा है और उसे मदद चाहिए। सूचना पर मैदान गढ़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो घर में प्रवेश करने पर दो लोगों के लहूलुहान शव ग्राउंड फ्लोर पड़े थे। पहली मंजिल पर रजनी नाम की महिला का शव मिला, जिसका मुंह कपड़े से बांधा था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि वारदात स्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि वारदात के बाद मृतक दंपत्ति का बेटा सिद्धार्थ (उम्र 22-23 वर्ष) मौके से फरार मिला। उन्होंने बताया कि उसका एम्स में अवसाद का इलाज चल रहा था।

**आरोपी युवक नशे का आदि है :** स्थानीय लोगों का दावा है कि सिद्धार्थ नशे का भी आदी है और इसको लेकर वह आए दिन परिवार के लोगों से झगड़ा करता रहता था। वह दोस्तों के साथ नशा करता था। वह काफी सिगरेट पीता था। इसके उलट पुलिस का कहना है कि सिद्धार्थ मानसिक रूप से बीमार था और उसका मानसिक इलाज चल रहा था।

**शव दिखाई दे रहे थे :** स्थानीय लोगों के अनुसार ने बताया कि पीड़ित घर के सामने से मोहल्ले का एक युवक गुजर रहा था। घर का दरवाजा खुला था। बाहर से घर में पड़े खून से लथपथ शव दिखाई दे रहे थे। इस युवक ने पुलिस को सूचना दी थी। चार में से तीन की बर्बर तरीके से हुई हत्या और परिवार के सबसे छोटे सदस्य सिद्धार्थ के गायब होने से उस पर ही हत्या करने का शक गहराया।

**घर से मिले इलाज के दस्तावेज :** पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि घर की तलाशी में सिद्धार्थ के इलाज के दस्तावेज और दवाइयां बरामद हुई। इन दस्तावेजों से पता चला है कि पिछले 12 वर्षों से वह मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों से इलाज करवा रहा था। वह हमेशा आक्रामक रहता था।

## गरीब मजदूरों के परिजनों के पास शव गांव ले जाने के भी पैसे नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दरियागंज हादसे में मौत के मुंह में समा गए जुबैर, तौफीक और गुल सागर के परिजनों के पास इतने भी पैसे नहीं हैं कि वह पोस्टमार्टम के बाद शवों को बिहार अपने गांव ले जा सकें। मजदूरी करके उनको 600 या 700 रुपये मिलते थे। हादसा हुआ तो ठेकेदार व मालिक मौके से भाग निकले। मजदूरों के पास खाने के भी पैसे नहीं थे। रोते हुए परिजनों ने ठेकेदार और मालिक से आर्थिक मदद की गुहार लगाई। इसके अलावा परिजन पुलिस व प्रशासन से गुहार लगा रहे थे कि वह शवों को गांव ले जाने का इंतजाम करा दें। हादसे की सूचना मिलने के बाद बुधवार दोपहर दिल्ली में रहने वाले मजदूरों के परिजन एलएनजेपी अस्पताल पहुंच गए। एक परिजन ने बताया कि जुबैर कुछ दिनों पहले ही चाचा तौफीक के पास दिल्ली आया था। तौफीक की मौसी महरुन खातून ने रोते हुए बताया कि एक महीने पहले जुबैर बिहार से दिल्ली घूमने आया था। कुछ दिन वह आनंद विहार उनके घर पर रुका। करीब 10 दिन पहले वह अपने चाचा तौफीक के साथ चिड़ियाघर घूमने गया था।ँ ने बताया कि तीनों ही मजदूर आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से दिल्ली में काम के लिए आए थे।

## एम्स में सीनियर डॉक्टर को कुचलने की कोशिश, गुस्साए कार ड्राइवर ने तीन बार मारी टक्कर; मामला दर्ज

**दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के एम्स में जाम की वजह बन रही स्विफ्ट डिजायर कार हटाने के लिए कहने पर उसके चालक ने सीनियर डॉक्टर को कुचलने की कोशिश की। गुस्साए कार ड्राइवर ने डॉक्टर को तीन बार टक्कर मारी और उन्हें कार के साथ घसीटा। किसी तरह डॉक्टर ने खुद की जान बचाई। पुलिस ने इस संबंध में गैर इरादतन हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार एम्स के गेट संख्या 1 के अंदर सीनियर डॉक्टर अमित लठवाल के साथ 18 अगस्त को यह घटना हुई। हौज खास पुलिस में दी गई शिकायत में पीड़ित डॉक्टर अमित ने बताया कि वह अस्पताल परिसर से गुजर रहे थे। तभी उन्होंने एक स्थान पर जाम लगा देखा।

सफेद रंग की मारुति स्विफ्ट डिजायर कार की वजह से जाम लग रहा था। कार के ड्राइवर से पीछे लौटने का इशारा किया। यह देखकर ड्राइवर ने कार पीछे लेने की बजाय डॉक्टर अमित को टक्कर मार दी। ड्राइवर इतने पर ही नहीं रुका। उसने दो बार और डॉक्टर को टक्कर मारी और उन्हें कार के साथ घसीटता चला गया। इस पूरी घटना को लेकर एम्स के डॉक्टरों में खासा रोष व्याप्त है। पुलिस ने अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में ली है। प्रत्यक्षदर्शियों का भी पता लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा।

## 10,000 रुपये का भुगतान न करने पर सब इंस्पेक्टर को जेल, पॉक्सो मामले में आईओ के खिलाफ था जमानती वारंट

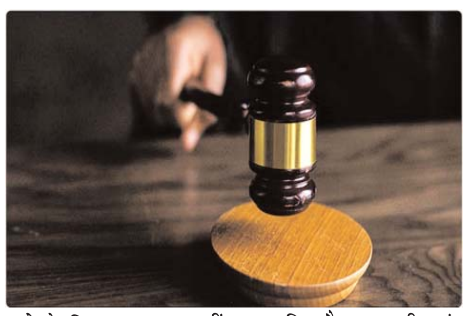

**दिल्ली, एजेंसी।** कड़कड़डूमा कोर्ट ने सब-इंस्पेक्टर को उसके खिलाफ जारी जमानती वारंट की राशि 10,000 रुपये न चुकाने पर जेल भेज दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार जांच अधिकारी (आईओ), सब-इंस्पेक्टर संदीप रावल के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) को रद्द करने के लिए एक आवेदन पर सुनवाई कर रहे थे। पॉक्सो मामले में अभियोजन पक्ष के साक्ष्य के चरण में उपस्थित न होने पर आईओ के खिलाफ 10,000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया गया था। यह देखते हुए कि वह सुनवाई के दौरान फिर से उपस्थित नहीं हुए, एसआई को गैर-जमानती वारंट जारी किया गया।

न्यायाधीश ने कहा कि इस स्तर पर आवेदक रावल का कहना है कि वह एक मामले में पूरक आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए साकेत अदालत गए थे। इसलिए, वह गैर-जमानती वारंट रद्द करने का अनुरोध करते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि जमानती वारंट जारी होने के बावजूद, रावल दूसरी अदालत गए और उनके आचरण से पता चलता है कि उन्हें अदालती प्रक्रिया का कोई सम्मान नहीं था। इसलिए गैर-जमानती वारंट रद्द करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं थे और इसे केवल जमानती वारंट की राशि 10,000 रुपये के भुगतान पर ही रद्द किया जा सकता था। जांच अधिकारी ने राशि का भुगतान करने पर सहमति जताई और एटीएम से पैसे निकालने के लिए अदालत से चले गए।

दोपहर 2.50 बजे जब अदालत की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तो रावल ने कहा कि वह राशि देने को तैयार नहीं हैं। इस पर न्यायाधीश ने कहा कि जमानती वारंट की राशि देने के लिए अदालत से समय लेने के बावजूद आवेदक या जांच अधिकारी ने राशि नहीं दी है। उन्होंने अदालत का कीमती समय बर्बाद किया है। इसलिए, आवेदक को हिरासत में लेकर न्यायिक हिरासत में भेजा जाए।

## शेल्टर होम में लावारिस कुत्तों की 2-3 साल बढ़ जाएगी उम्र, सड़क हादसों और बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में लावारिस कुत्तों के लिए बनाए जाने वाले शेल्टर होम न सिर्फ उन्हें सुरक्षित ठिकाना देंगे, बल्कि उनकी औसत आयु भी बढ़ा देंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि सड़क पर भटकते रहने के बजाय यदि कुत्ते सुरक्षित और स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस शेल्टर में रहें, तो उनकी जिंदगी दो से तीन साल लंबी हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां न तो उन्हें सड़क हादसों का खतरा रहेगा और न ही संक्रमित बीमारियों की चपेट में आने की संभावना रहेगी। एमसीडी के अनुसार, शेल्टर होम्स में कुत्तों की देखरेख के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। यहां उन्हें नियमित भोजन, साफ-सुथरा वातावरण और समय-समय पर चिकित्सा जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। एमसीडी के अधिकारियों का कहना है कि हर शेल्टर होम्स में पशु चिकित्सक और सहायक स्टाफ तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी स्वास्थ्य समस्या का तुरंत इलाज हो सके। साथ ही, बीमार या घायल कुत्तों को प्राथमिक उपचार के बाद लंबे समय तक निगरानी में रखा जाएगा। एमसीडी के पशु विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. वीके सिंह ने बताया, फिलहाल राजधानी में लावारिस कुत्तों की औसत आयु पांच से छह साल ही होती है। इसकी सबसे बड़ी वजह

सड़क दुर्घटनाएं और संक्रमणजनित बीमारियां हैं। सड़क पर भटकते हुए कुत्ते आए दिन वाहनों की चपेट में आ जाते हैं। इसके अलावा, कचरे में खाना खोजने के दौरान वे कई तरह के वायरस, बैक्टीरिया और परजीवियों के संपर्क में आते हैं, जो गंभीर बीमारियां पैदा करते हैं। डॉ. सिंह के अनुसार, आम तौर पर स्वस्थ पालतू कुत्ते की उम्र आठ से नौ साल मानी जाती है, लेकिन दिल्ली की मौजूदा परिस्थितियों में खुले में रहने वाले कुत्तों की जिंदगी इतनी लंबी नहीं हो पाती। अगर इन्हें शेल्टर होम जैसे सुरक्षित वातावरण में रखा जाए, जहां न तो ट्रैफिक का खतरा होगा और न ही गंदगी या प्रदूषण का असर पड़ेगा। ऐसे में वह अधिक समय तक जीवित रहेंगे।

**सेहत का भी रखा जाएगा ख्याल :** एमसीडी के अनुसार, शेल्टर होम में कुत्तों को पर्याप्त खुला स्थान मिलेगा, जहां वे सुरक्षित तरीके से घूम-फिर सकेंगे। नियमित टीकाकरण, नसबंदी और स्वास्थ्य निगरानी के जरिए बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा। बीमार होने पर उन्हें तुरंत उपचार और रिकवरी तक निगरानी में रखा जाएगा, एमसीडी इलाकों में शेल्टर होम बनाए जाएंगे।

## मुख्यमंत्री पर हमला : राजेश ने की थी सीएम के निजी और सरकारी आवास की रेकी, सामने आया सीसीटीवी फुटेज

**दिल्ली, एजेंसी।** मुख्यमंत्री पर हमला करने वाले आरोपी राजेश ने दिल्ली आने के बाद रेखा गुप्ता के निजी व सरकारी आवास की रेकी की थी। बुधवार को सीसीटीवी फुटेज सामने आया जिसमें आरोपी रिक्शे में सवार होकर मंगलवार को मुख्यमंत्री के शालीमार बाग स्थित निजी आवास पर पहुंचते हुए दिखा है। आरोपी ने रिक्शा चालक को पैसे देकर चलता किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के घर के बाहर मोबाइल से वीडियो बनाया। करीब 3 मिनट 8 सेकंड का वीडियो बनाने के बाद आरोपी मुख्यमंत्री के निजी आवास में घुस गया। वहां आम लोगों के बैठने के लिए बेंच हैं। आरोपी ने वहां भी बैठकर करीब 1 मिनट 15 सेकंड का वीडियो बनाया। इसके बाद निकल गया। यहां से आरोपी मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पहुंचा और वहां भी वीडियो बनाया। बुधवार को जब आरोपी गिरफ्तार हुआ तो उसके मोबाइल से यह सारे वीडियो बरामद हो गए। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि सोमवार को दिल्ली आने के बाद कहां-कहां रुका और किसके संपर्क में रहा। जांच में पता चला कि मंगलवार रात को आरोपी गुजराती समाज भवन, सिविल लाइंस में रुका। पुलिस की एक टीम जांच के लिए वहां भी पहुंची। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। इसके अलावा उसके नंबर की सीडीआर भी निकलवा ली है।

## ट्रंप के साथ बैठक के बाद वापस आते समय पुतिन को क्यों चुकाने पड़े 2.2 करोड़ रुपये, रूबियो ने खोले पत्ते

**वाशिंगटन, एजेसी।** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन से जंग को लेकर संघर्षविराम पर वार्ता के लिए अलास्का का दौरा किया था। यहां ट्रंप से वार्ता से पहले भले ही उनका रेड कार्पेट स्वागत हुआ हो लेकिन वहां से वापस आना पुतिन को काफी महंगा पड़ गया। दरअसल, उन्हें वहां से वापस आते समय अपने विमानों में ईंधन भरवाना पड़ा। हद तो तब हो गई जब इसके लिए उन्हें तकरीबन 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद चुकाने पड़े। अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इसकी हकीकत बताई है। उन्होंने साफ किया है कि पुतिन को ऐसा क्यों करना पड़ा। मार्को रूबियो ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अमेरिका से लौटते समय तीन विमानों में ईंधन भरने के लिए लगभग 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद भुगतान करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यह रूस पर लागू अमेरिकी प्रतिबंधों का परिणाम था। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से जंग के चलते लागू प्रतिबंधों के कारण वे हमारी बैंकिंग प्रणाली का उपयोग नहीं कर सकते थे। ऐसे में उन्हें ईंधन के लिए नकद भुगतान करना पड़ा। रूबियो ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और उनका प्रभाव भी बना हुआ है। रूबियो ने कहा कि रूस और पुतिन को हर दिन इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि इन प्रतिबंधों ने युद्ध की दिशा नहीं बदली है।

**बैठक का नहीं निकला कोई नतीजा :** गौरतलब है कि 15 अगस्त को हुई बहुप्रतीक्षित बैठक के लिए पुतिन की टीम अलास्का में लगभग पांच घंटे तक रही। ट्रंप और पुतिन की बैठक के बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें ट्रंप ने पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेन से संघर्ष विराम को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ। हालांकि दोनों के बीच वार्ता अच्छी रही। करीब तीन साल से ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक तरह के ठहराव पर है।

## माइक्रोसॉफ्ट कर्मचारियों ने जमकर किया बवाल, 18 गिरफ्तार, अब इस्राइली सेना संग काम की समीक्षा कर रही कंपनी

**वॉशिंगटन, एजेसी।** माइक्रोसॉफ्ट मुख्यालय में बुधवार को कर्मचारियों ने जमकर बवाल किया। इस दौरान हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों ने 18 लोगों को गिरफ्तार किया। इस बीच तकनीकी कंपनी ने गाजा में चल रहे युद्ध के दौरान इस्राइली सेना की ओर से अपनी तकनीक के इस्तेमाल की तत्काल समीक्षा का वादा किया। वाशिंगटन के रेडमंड स्थित माइक्रोसॉफ्ट परिसर में लगातार दो दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के दौरान इस तकनीकी दिग्गज कंपनी से इस्राइल के साथ अपने व्यापारिक संबंध तुरंत समाप्त करने की मांग की गई।

**कंपनी के लोगो और नाम पर खून के रंग जैसा लाल रंग फेंका :** रेडमंड पुलिस विभाग के मुताबिक, मंगलवार के उलट जब कार्यालय भवनों के बीच एक प्लाजा पर कब्जा किए करीब 35 प्रदर्शनकारियों को माइक्रोसॉफ्ट की ओर से जाने के लिए कहने पर वे वहां से चले गए। इसके बाद जब बुधवार को कंपनी ने पुलिस को प्रदर्शनकारियों के और उग्र होने की जानकारी दी, तब प्रदर्शनकारियों और आक्रामक हो गए। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी के लोगो और नाम पर खून के रंग जैसा लाल रंग फेंका।

**चेतावनी के बाद हिरासत में ले लिया गया :** पुलिस प्रवक्ता जिल ग्रीन ने कहा, हमने प्रदर्शनकारियों से वापस जाने को कहा। हमने अपील की कि कृपया वापस चले जाइए वरना आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद भी उन्होंने वहां से न जाने का फैसला किया। इसलिए उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

**पूरा मामला समझिए :** माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले हफ्ते के अंत में कहा था कि वह ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की ओर से लगाए गए उन आरोपों की जांच के लिए एक कानूनी फर्म से संपर्क कर रहा है, जिनमें कहा गया था कि इस्राइली रक्षा बलों ने गाजा और पश्चिमी तट पर फलस्तीनियों की व्यापक निगरानी के जरिए प्राप्त फोन कॉल डेटा को संग्रहीत करने के लिए किया था।

## बच्चे को काटने वाले लावारिस कुत्ते को बचाने के लिए जमकर हंगामा, पकड़ने पहुंची टीम का विरोध

**नोएडा, एजेंसी।** सेक्टर-110 की लोटस पनाश सोसाइटी में मंगलवार रात लावारिस कुत्ते को पकड़ने पहुंची टीम के विरोध में डॉग लवर्स खड़े हो गए। सोसाइटी के प्रवेश द्वार पर भीड़ जुट गई। रात 10 बजे शुरू हुआ हंगामा दो बजे तक चलता रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों से बात की। इसके बाद टीम को अंदर भेजा गया। लावारिस कुत्ते को पकड़ा नहीं जा सका। सोसाइटी में 17 अगस्त को बच्चे को लावारिस कुत्ते ने काट लिया था। निवासियों ने बताया कि सोसाइटी में आए दिन लावारिस कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। नोएडा प्राधिकरण से कुत्ते को पकड़ने के लिए शिकायत दी गई थी। इस पर टीम पहुंची थी। टीम जैसे ही पहुंची डॉग लवर्स ने सोशल मीडिया पर सभी कुत्तों को पकड़ने के लिए टीम आने की सूचना प्रसारित कर दी। इससे कुछ ही देर में सैकड़ों डॉग लवर्स सोसाइटी के बाहर और सेक्टर के गेट पर पहुंच गए। इस दौरान खूब हंगामा हुआ। इस दौरान सोसाइटी का प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया। पुलिस पहुंची और लोगों से बात की। कुत्ते को पकड़ने पहुंची टीम को सोसाइटी के अंदर भेजा। करीब दो बजे तक अभियान चला लेकिन कुत्ता पकड़ में नहीं जा सका। डॉग लवर्स भी दो बजे तक सोसाइटी के गेट पर डटे रहे। हमारे यहां करीब 35 लावारिस कुत्ते हैं। पिछले दिनों दो-तीन कुत्ते काटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुत्ते को लेने जब टीम पहुंची तो डॉग लवर्स आ गए और अफवाह फैला दी कि सभी कुत्तों को ले जाने के लिए टीम आई है। इस दौरान पुलिस बुलानी पड़ी लेकिन टीम कुत्ते को ले नहीं जा सकी।सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक सभी यहां पर काम करते थे। तौफीक के परिवार में पत्नी निशा बेगम के अलावा दो बेटे व दो बेटियां हैं। वह बच्चों को पढ़ाने लिखाने के लिए दिल्ली में काम करने आया था। परिवार में तौफीक ही अकेला कमाने वाला था। गांव में इनकी मौत की सूचना मिलने पर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कुछ परिजन इनकी मौत की सूचना मिलने पर बिहार से दिल्ली के लिए रवाना भी हो गए हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि आदेश की एक प्रति संबंधित पुलिस उपायुक्त को आवश्यक जानकारी के लिए भेजी जाए।

## यूक्रेन पर रूस ने किया साल का सबसे बड़ा हमला, 574 ड्रोंस और 40 मिसाइलों के साथ बरपाया कहर

**कीव, एजेसी।** यूक्रेन से संघर्ष विराम को लेकर जारी पश्चिमी देशों की कवायद के बीच रूस ने यूक्रेन पर इस साल का सबसे बड़ा मिसाइल और ड्रोन हमला किया है। यूक्रेनी वायु सेना ने इस हमले के बारे में बताते हुए कहा कि रूसी सेना ने देश के पश्चिमी इलाकों को निशाना बनाकर ज्यादातर हमले किए। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि रूस ने उन पर 574 ड्रोन्स और 40 मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमले किए। इन हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने भी इन हमलों को लेकर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि रूस ने पश्चिमी यूक्रेन में एक प्रमुख अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता संस्था पर हमला किया है।

**अमेरिका समेत पश्चिमी देश संघर्षविराम की कवायद में जुटे :** रूस का ये हमला तब हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत पश्चिमी देश रूस-यूक्रेन संघर्ष को रुकवाने की कोशिश में जुटे हैं। बीते हफ्ते अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद सोमवार को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक की थी। ट्रंप ने इस बैठक के दौरान साफ किया कि वे किसी तरह के संघर्ष विराम को लागू करने की जगह सीधा शांति समझौते की तरफ जाना चाहते हैं। हालांकि, इस दौरान उनकी और यूरोपीय नेताओं में इस बात पर सहमति रही कि यूक्रेन को शांति समझौते के एवज में भविष्य के खतरों से निपटने के लिए कुछ सुरक्षा गारंटी दी जा सकती हैं।

**जेलेंस्की बोले- 10 दिन में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटियों को लेकर करेंगे मंथन :** यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बाद में कहा कि अगले 10 दिन में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटियों को लेकर मंथन किया जाएगा और रूस के साथ वार्ता पर आगे चर्चा होगी। इस चर्चा में यूरोपीय देश के नेताओं के साथ-साथ अमेरिकी प्रशासन भी रहेगा। यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने का जिम्मा ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो को सौंपा गया है।

**रूसी हमले बढ़े, खतरे में हैं नागरिक :** रूस अब लगातार शाहिद ड्रोन, क्रूज मिसाइलों और ग्लाइड बमों का उपयोग कर यूक्रेनी शहरों पर हमला कर रहा है। इससे यूक्रेन की एयर डिफेंस व्यवस्था पर भारी दबाव है। हाल ही में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन में अब कहीं भी शांति नहीं है। पिछले कुछ वक्त से राजधानी कीव और अन्य क्षेत्रों पर ड्रोन हमले तेज हुए हैं।रूसी नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ एफटीए को लेकर वार्ता शुरू करने के कई महत्वपूर्ण मायने हैं। सबसे अहम तो यह है कि अमेरिका से टैरिफ पर तनाव के बीच भारत अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की कोशिश कर रहा है। 2024 में 69 अरब डॉलर का हुआ व्यापार भारत और ईएईयू के बीच 2024 में 69 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जो 2023 की तुलना में 7त्न अधिक है। लगभग 6.5 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी वाले इस समूह के साथ एफटीए से भारत को नए बाज़ारों तक पहुंच, निर्यात वृद्धि, एमएसएमई को सहारा और निवेश बढ़ाने की उम्मीद है।

0000000000000

# पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में अभिभावक-शिक्षक परिषद की बैठक आयोजित

### विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बनी रूपरेखा

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में नवोदय विद्यालय समिति भोपाल संभाग के उपायुक्त आरव केव वर्मा के दिशा निर्देशानुसार अभिभावक-शिक्षक परिषद की बैठक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेश द्विवेदी एस.डी.एम. रामपुर नैकिन एवं डॉ. (प्रो.) कमल शर्मा, पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, सागर विश्वविद्यालय रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ।

मुख्य अतिथि शैलेश द्विवेदी, नामित अध्यक्ष, एसडीएम रामपुर नैकिन ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन ही नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी माध्यम है। उन्होंने जिला कलेक्टर को धन्यवाद करते हुए नवोदय विद्यालय की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय के परिवेश में सकारात्मक बदलाव पर प्राचार्य महोदय एवं उनकी कार्यशैली की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के करिअर गाइडेंस के एक्सपर्ट को आमंत्रित करने का सुझाव दिया जिससे कि विद्यार्थियो को मार्गदर्शन मिल सके।

विशेष अतिथि डॉ. (प्रो.) कमल शर्मा पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग सागर विश्वविद्यालय ने बच्चों को अनुशासन, ज्ञान और संस्कार को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने जीवन के ऊँचाइयों को लौवा सागरा गांव से लंदन की यात्रा के रूप में बताया जो विद्यार्थियों के दिल को छू गया। उन्होंने शिक्षक के महत्व को गुरु के रूप में आदर्शोन्मुख किया। साथ ही अभिभावकों को भी विद्यालय,विद्यार्थी एवं उनकी शिक्षा की जिम्मेदारी लेने को कहा। उन्होंने शिक्षा का अर्थ किताबी ज्ञान से बढ़कर उसकी उपयोगिता को बताया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने अपने नवोदय विद्यालय के पुरातन छात्रों का परचम आईएएस, आईपीएस व अन्य अधिकारियों के रूप मे बताया जिससे कि सभागार तालियों से गूँज उठा।

वरिष्ठ शिक्षक रूपेश चौधरी ने अभिभावक-शिक्षक परिषद की उद्देश्यमूलक भूमिका पर प्रकाश डाला। विद्यालय के छात्र कप्तान संदीप एवं प्रगति ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को शिक्षा का आधार बताया और प्राचार्य के कार्यशैली पर अपना भरोसा जताया और अपने चहुंमुखी विकास पर प्रकाश डाला। पीटीसी बैठक में नवोदय विद्यालय की तरफ से नमिता पांडेय, विद्युत कुमार, मनीष दीक्षित, माधुरी वर्मा, ऋषभ तिवारी को नामित किया गया तथा अभिभावक की तरफ से पांच ब्लाको के दो-दो प्रतिनिधि निर्धारित किए गए।

अभिभावकों की ओर से संजय कुमार नामदेव और प्रवेश पांडेय ने अपने विचार व्यक्त किए और विद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए रचनात्मक सुझाव दिए।

कार्यक्रम का संचालन संकल्प सिंह एवं ज्योति कुमारी ने किया। छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं मनमोहक समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने सभी का हृदय जीत लिया। अंत में उप प्राचार्य एस.के. तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सम्मानित शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## प्रसूता को नहीं मिली एंबुलेंस, नवजात के साथ ट्रैक्टर से जाना पड़ा घर; स्वास्थ्य केंद्र पर लापरवाही का आरोप

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल ( निप्र )।** जिले के पपौंध क्षेत्र स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निपनिया में स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियां उजागर हुई हैं। एक प्रसूता को प्रसव के बाद एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिल सकी। महिला को नवजात शिशु के साथ ट्रैक्टर से घर जाना पड़ा। परिजनों ने बताया कि उन्होंने कई बार अस्पताल स्टाफ से एंबुलेंस की मांग की। लेकिन किसी ने उनकी सुध नहीं ली। कर्मचारियों ने एंबुलेंस के लिए फोन तक नहीं किया। घंटों इंतजार के बाद परिजनों को मजबूरन ट्रैक्टर का इंतजाम करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार निपनिया स्वास्थ्य केंद्र में यह पहली घटना नहीं है।

सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है। एंबुलेंस सेवा और जननी एक्सप्रेस जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर इनका लाभ लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। प्रसूता और नवजात जैसी संवेदनशील स्थिति में भी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। यह घटना स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। विभाग की संवेदनहीनता का यह स्पष्ट उदाहरण है। कागजी आंकड़ों में विकास दर्शाने वाले अधिकारियों को इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

## सड़क हादसे में ड्राइवर की मौत, दो की हालत गंभीर; मवेशी बचाने में पेड़ से टकराई कार

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल ( निप्र )।** बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार चालक की मौत हो गई। गोहपारू थाना क्षेत्र के रीवा-शहडोल मार्ग पर खनौधी में यह हादसा हुआ। कार में सवार तीन युवक बुढार से रीवा जा रहे थे। सड़क पर अचानक मवेशी दिखने पर चालक ने कार को बचाने का प्रयास किया। तेज रफ्तार होने के कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

हादसे में कार चालक अभिषेक सोनी (22) की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार अन्य दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने डायल 100 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शहडोल-रीवा मार्ग पर मवेशियों का जमावड़ा आम बात है। इस कारण यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। हादसे में कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

## आकाशीय बिजली से बकरियां चरा रहे बुजुर्ग की मौत, 7 बकरियां भी मरी

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** जिले में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक बुजुर्ग और उनकी बकरियों की मौत हो गई। रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के ग्राम चोभरा में दोपहर एक बजे यह घटना हुई। 85 वर्षीय बैजनाथ यादव बकरियां चरा रहे थे। हल्की बारिश के दौरान अचानक बिजली गिरी। इस हादसे में बैजनाथ यादव और उनकी सात बकरियां मौके पर ही मर गईं। सूचना मिलते ही रामपुर नैकिन थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की।

**एक हफ्त में हुई बारिश:** भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार सीधी जिले में 14 से 20 अगस्त के बीच मात्र 0.82 इंच बारिश दर्ज की गई। इस दौरान 14 अगस्त को 0.11 इंच और 20 अगस्त को 0.71 इंच वर्षा हुई। अन्य दिनों में बारिश नहीं हुई। कम बारिश से जिले में खरीफ फसलें प्रभावित हो रही हैं। धान और सोयाबीन की फसलों की स्थिति खराब है। कृषि विभाग ने किसानों को वैकल्पिक सिंचाई और जल निकासी व्यवस्था करने की सलाह दी है।

## किसानों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन, कहा-फसलें सूख रही हैं; जल्द खाद नहीं मिलने पर होगा भारी नुकसान

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली ( निप्र )।** जिले में यूरिया खाद की भारी किल्लत हो गई है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि हजारों किसान खाद के लिए लंबी-लंबी लाइनों में खड़े हैं, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। जिले में यूरिया का स्टॉक पूरी तरह खत्म हो चुका है।

**नाराज किसानों ने कलेक्ट्रेट के सामने किया प्रदर्शन:** गुरुवार को सैकड़ों किसान खाद नहीं मिलने से नाराज होकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए और प्रदर्शन किया। हालात तनावपूर्ण होते देख बैढ़न थाना और महिला थाना की पुलिस बुलानी पड़ी। पहले किसानों को समझाने की कोशिश की गई, लेकिन जब वे नहीं माने तो पुलिस ने उन्हें वहां से हटाया। कचनी गांव के किसान राम अवतार कुशवाहा ने बताया कि उन्हें अब तक एक भी बोरी यूरिया नहीं मिल पाई है। फसलें सूख रही हैं और अगर जल्द खाद नहीं मिली तो भारी नुकसान हो सकता है।

**अधिकारी बोले- जिले में 9 मैट्रिक टन यूरिया का वितरण हुआ:** इस बारे में अपर आयुक्त सहकारिता पी.के. मिश्रा ने बताया कि अब तक जिले में 9 मैट्रिक टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है। जबकि जिले को करीब 8 मैट्रिक टन यूरिया की जरूरत थी। उन्होंने बताया कि पहले ही अतिरिक्त खाद की मांग भेजी जा चुकी थी। किसानों की परेशानी को देखते हुए दोबारा मांग भेजी गई है। प्रशासन का दावा है कि एक हफ्ते के भीतर यूरिया का नया स्टॉक जिले में पहुंच जाएगा।

## पर्यावरण संरक्षण एवं इको फ्रेंडली गणेश उत्सव मनाने का संकल्प

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** पर्यावरण संरक्षण महा अभियान के अंतर्गत माटी गणेश सिद्ध गणेश योजना पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की संकल्पना के आधार पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद समाज में इको फ्रेंडली गणेश उत्सव मनाने हेतु अभियान चला रहा है। अभियान के अंतर्गत 20 अगस्त को विकासखंड सीधी के जनपद सभागार में प्रस्फुटन नवांकुर एवं समाज कार्य स्नातक एवं परास्नातक के छात्रों की कार्यशाला आयोजित कर मिट्टी के गणेश जी बनाकर प्रतिमा स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया। वहीं 21 अगस्त को विकासखंड सिहावल के बहरी मंगल भवन में कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ो की संख्या में प्रतिभागियों ने सम्मिलित होकर मिट्टी के गणेश जी बनाना सीखने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं इको फ्रेंडली गणेश उत्सव मनाने का संकल्प लिए।

## खनिज माफिया ने नाबालिग और पिता को पीटा, स्कूल के रास्ते पर अवैध डंपिंग का विरोध करने पर हमला

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** जिले में खनिज माफिया की दबंगई का मामला सामने आया है। रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के ग्राम भरतपुर में शंकर कोरी ने 14 वर्षीय नाबालिग अजय कोरी और उसके पिता अमित कोरी से मारपीट की। यह घटना मंगलवार दोपहर 2 बजे की है। जिसका वीडियो गुरुवार को सामने आया है। पीड़ित अमित कोरी ने बताया है कि शंकर कोरी लंबे समय से गिट्टी और बालू का अवैध व्यापार कर रहा है। वह पुलिस को पैसे देकर संरक्षण लेता है। इसी कारण उसके खिलाफ की गई शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

आरोपी ने वन भूमि पर अतिक्रमण कर घर बना लिया है। वह स्कूल जाने वाले रास्ते पर अवैध रूप से गिट्टी-बालू का डंपिंग करता है। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो उसने मारपीट की। पुलिस ने पहले जांच का हवाला देकर मामले को टाला। गुरुवार को घटना का वीडियो सामने आने के बाद और दबाव बढ़ने के बाद पिपरांव पुलिस ने मामला दर्ज किया।

**वीडियो के आधार पर आरोपी:** चौकी प्रभारी शेषमणि मिश्रा ने वीडियो में मारपीट होते दिख रही है। इसके आधार पर आरोप की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच के कार्रवाई की जाएगी।

## रेल ड्राइवर के घर से लाखों की चोरी; गहने, नकदी ही नहीं, राशन, कपड़े और साबुन तक चुरा ले गए

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल ( निप्र )।** कोतवाली थाना क्षेत्र में रेल ड्राइवर के घर से लाखों रुपए की चोरी हो गई। चोरों ने गहने और नकदी ही नहीं, बल्कि घर में रखा राशन, कपड़े और यहां तक कि साबुन तक चुरा लिए। यह घटना रेलवे कॉलोनी के सरकारी क्वार्टर की है। पीड़ित लोको पायलट धर्मेंद्र गौतम ने बताया कि वह अपने भाई की मौत के बाद परिवार के साथ एक हफ्ते के लिए गांव गए थे। जब वे वापस लौटे तो घर का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था।

**5 लाख के गहने, 15 हजार नकदी चोरी:** धर्मेंद्र गौतम ने पुलिस को बताया कि चोरों ने अलमारी में रखे करीब 5 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने और 15 हजार रुपए नकद चुरा लिए। इसके अलावा चोरों ने किचन से गैस सिलेंडर और अन्य जरूरी सामान भी नहीं छोड़ा। पीड़ित के अनुसार, चोरों ने किराना का सामान और कपड़े भी चुरा लिए। धर्मेंद्र गौतम की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**पुलिस की कार्रवाई पर सवाल:** कोतवाली क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कई मामलों में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी मिले हैं, जिनमें चोर साफ-साफ दिख रहे हैं, लेकिन पुलिस अभी तक इन चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है।

## शांति समिति की बैठक 25 को

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** अपर कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया है कि गत वर्षो की भांति धार्मिक त्यौहार गणेश चतुर्थी 27अगस्त को, मिलाद-उन-नवी 5 सितम्बर को, दुर्गा मूर्ति स्थापना 22 सितम्बर को, दशहरा (विजयदशमी) 2 अक्टूबर को एवं दीपावली 20 अक्टूबर को शांति पूर्ण ढंग से मनाये जाने के संबंध में 25 अगस्त को टीएल के साथ कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों तथा समिति के सदस्यों को उक्त बैठक में नियत दिनांक, समय व स्थान पर उपस्थित होने हेतु सूचित किया है।

### छात्र छात्राओं को नि :शुल्क साइकिल का किया गया वितरण

# शिक्षा से ही सर्वांगीण विकास संभव : विश्वामित्र पाठक

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** प्रदेश एवं केंद्र सरकार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया है। छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सभी व्यवस्था की जाएगी। शिक्षा से ही सर्वांगीण विकास संभव है। उक्त आशय के विचार सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने विभिन्न शासकीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क सायकल वितरण कार्यक्रम में व्यक्त किए। विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत पीएम श्री शा.उच्च.माध्य.विद्यालय हटवा खास, शा. उच्च. माध्य. विद्यालय सोनवर्षा, हाईस्कूल कुनझुन कला एवं पीएम श्री शा. उच्च. माध्य. विद्यालय खुटेली में विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक के मुख्य आतिथ्य में सायकल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मां सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के प्राचार्यो द्वारा छात्राओं को वितरित की जा रही सायकल के संबंध में अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल ने कहा कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में संचालित योजनाओं मध्यान्ह भोजन, गणवेश, पाठयपुस्तक का वितरण, सायकल वितरण, छात्रवृति, मेधावी विद्यार्थियों के लिए लैपटॉप एवं स्कूटी प्रदाय आदि योजनाओ के साथ ही निर्धन छात्रों को विदेश में पढ़ने के लिए भी मदद कर रही हैं ताकि छात्र - छात्राओं को सुगमता से गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध हो सके। दूर से आने वाले छात्र छात्राओं को सायकल उपलब्ध हो जाने से विद्यालय आने जाने में मदद मिलेगी। पूर्व में विद्यालय दूर होने के कारण अधिकांश छात्राएं पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती थीं, लेकिन अब सायकल मिल जाने से समय की बचत होगी साथ ही अध्ययन अध्यापन में सुविधा मिलेगी। सिहावल विधायक ने उम्मीद व्यक्त की है कि इन सभी विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राएं जिले ही नहीं प्रदेश में भी अपना एवं विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। मुख्य अतिथि ने विद्यालय हेतु आवश्यक बाउंड्रीवाल, विद्यालयों की मरम्मत एवं अन्य आवश्यक निर्माण कराने का आश्वासन दिया। पीएम विद्यालय हटवाखास में मुख्य अतिथि ने डिजिटल बोर्ड का फीता काट कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर जयशंकर द्विवेदी, दखन सिंह सोलंकी प्राचार्य, सी पी तिवारी प्राचार्य, सी एल सिंह प्राचार्य, जीतेन्द्र द्विवेदी प्राचार्य, सुरेश सिंह, रामशखा शर्मा, ममता पटेल सरपंच, शम्भू त्रिपाठी, रामलाल विश्वकर्मा सरोज द्विवेदी सरपंच कुंसेडा, अर्जुन उपाध्याय, अनुसुइया शुक्ला, मथुरा साकेत आशुतोष उपाध्याय, रामजतन उपाध्याय, रामानंद यादव, अजय उपाध्याय पुष्पराज सिंह विजय त्रिपाठी, राजेश सिंह, दीपू सिंह, सालिक द्विवेदी, गिरीश द्विवेदी, शिवबहोर साकेत, रामलाल सिंह सरपंच, शेख मोहम्मद, गुलज़ार मोहम्मद, निलेश तिवारी, राजीव लोचन तिवारी, जितेंद्र द्विवेदी सहित विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक गण, छात्र-छात्राएं, गणमान्य जन उपस्थित रहे।

## एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर विचार संगोष्ठी आज

**मीडिया ऑडीटर, रीवा ( निप्र )।** शुक्रवार 22 अगस्त को दोपहर 12 बजे शहर के जेएनसीटी कॉलेज, रतहरा में एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर एक वृहद संगोष्ठी आयोजित की गई है। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र. सरकार के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला उपस्थित रहेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में रीवा संसदीय क्षेत्र के सांसद जनार्दन मिश्रा रहेंगे जबकि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता करेंगे। इस संगोष्ठी में रीवा संसदीय क्षेत्र के समस्त सम्मानीय विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व विधायक व जिले के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता एवं मऊगंज जिलाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्रा ने रीवा संसदीय क्षेत्र के समस्त सम्मानीय प्रबुद्ध नागरिकों से इस संगोष्ठी में उपस्थित होने की अपील की है। इस कार्यक्रम के संयोजक वासुदेव ठारवानी व सह संयोजक नरेन्द्र शर्मा ने भी अधिक से अधिक लोगों से उपस्थित होकर संगोष्ठी को सफल बनाने का निवेदन किया है।

# उपराष्ट्रपति पर सहमति क्यों नहीं?

संपादकीय

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए सत्ताधारी भाजपा-एनडीए और विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन के बीच सर्वसम्मति नहीं बन पाई। अपेक्षा की जाती रही है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर सरीखे पदों को सर्वसम्मति के साथ तय किया जाए। उन पर चुनाव नहीं होने चाहिए, क्योंकि वे पक्ष और विपक्ष के 'साझा चेहरे' माने जाते हैं। वे अपने पदों पर संवैधानिक शीर्ष होते हैं, जिनसे न्याय की उम्मीद पक्ष और विपक्ष दोनों ही करते हैं, लेकिन भारतीय लोकतंत्र की विडंबना है कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सरीखी 'राष्ट्रीय हस्ती' पर भी सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी, नतीजतन राष्ट्रपति पद का चुनाव कराना पड़ा था। सर्वसम्मत संवैधानिक चेहरा शायद ही कोई हो, हमें ध्यान नहीं। इसका बुनियादी कारण यह है कि सरकार और विपक्ष के दरमियान संवैधानिक और वैचारिक नहीं, बल्कि नफरत, खीझ, चिढ़ की विभाजक रेखाएं होती हैं। अब भी प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने साफ कहा है कि उपराष्ट्रपति पर सर्वसम्मति भाजपा-आरएसएस के कारण नहीं हुई। भाजपा 'लाठीतंत्र' से इस देश को चलाना चाहती है। वह कांग्रेस होने नहीं देगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए जिस शख्स को चुना गया है, वह आरएसएस के स्वयंसेवक रहे हैं। जनसंघ-भाजपा के सदस्य और सांसद रहे हैं। तमिलनाडु में उन्होंने भाजपा का नेतृत्व भी किया है। वह पूरी चेतना के साथ 'संघी' हैं, लिहाजा पदासीन होने के बावजूद उनसे तटस्थता की उम्मीद नहीं की जा सकती। विपक्षी 'इंडिया' ने सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश एवं गोवा के लोकायुक्त रहे, संविधानविद और गैर-राजनीतिक शख्स जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। यह विपक्ष का संवैधानिक अधिकार भी है। बेशक विपक्ष 'अराजनीतिक' का दावा करे, लेकिन रेड्डी को इसी आधार पर चुना गया है, ताकि आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरीखे दलों के लिए 'धर्मसंकट' की स्थिति पैदा हो और अंततः वे विपक्ष के उम्मीदवार को समर्थन देने को बाध्य हो जाएं! कांग्रेस की यह राजनीतिक गणना नाकाम रही, क्योंकि चंद्रबाबू नायडू, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव के दल भाजपा-एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को अपना समर्थन घोषित कर चुके हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु के 'कोंगु वेल्लालर' समुदाय से आते हैं। हालांकि उन्होंने 1998, 1999 में कोयंबटूर सीट से संसदीय चुनाव जीता, लेकिन 2004, 2014, 2019 के लोकसभा चुनावों में वह लगातार हारे। अब भाजपा की निगाह पश्चिमी तमिलनाडु या 'कोंगु पट्टी' के मतदाताओं पर है, लेकिन तमिलनाडु में राधाकृष्णन को शांत, सरल, सज्जन और कम बोलने वाला नेता तो माना जाता है, लेकिन 'सीपी' (उनका लोकप्रिय नाम) को करिश्माई नेता नहीं माना जाता। वह प्रधानमंत्री मोदी के बहुत करीब हैं और यह दोस्ताना करीब 40 साल का है, लेकिन 'सीपी' को आरएसएस की पसंद नहीं माना जा रहा है। अलबत्ता उन्हें चुन लिया गया है। भाजपा के अलावा सहयोगी दलों के सांसदों ने भी उनके नाम पर मुहर लगा दी है। अब सीपी राधाकृष्णन का देश का उपराष्ट्रपति बनना लगभग तय है।

# तेज भागने के चक्कर में हम भूल गए हैं कि जाना कहां है

**सुंदरचंद ठाकुर**

हम सब तेज भाग रहे हैं। किसी को कुछ हासिल करना है, किसी को कुछ साबित करना है, किसी को किसी से आगे निकलना है। सुबह आंख खुलते ही दौड़ शुरू हो जाती है ङ्क काम की, समय की, सफलता की, नाम की। पर कभी सोचा है कि ये रेस किसके लिए है? और किस दिशा में है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम इतनी तेजी से भाग रहे हैं कि रास्ता ही भूल गए हैं? या शायद मंजिल ही बदल गई है, पर हम रुके नहीं, जांचने नहीं गए। बस उसी रफ्तार से भागे जा रहे हैं, जैसे बस दौड़ते रहना ही जीवन हो। आज की दुनिया में हर चीज फास्ट हो गई है ङ्क फास्ट इंटरनेट, फास्ट फूड, फास्ट डिलीवरी, फास्ट रिजल्ट। धीरे चलने का मतलब है पीछे छूट जाना। ठहरने का मतलब है असफलता। और इस डर में, हम दौड़ते चले जा रहे हैं। पर भीतर कहीं कुछ चुपचाप टूटता जा रहा है।

दौड़ में सबसे पहले जो खोता है, वह है शांति। फिर आता है ध्यान। फिर रिश्ते। और धीरे-धीरे, हम खुद को ही खो देते हैं। हम जो बनना चाहते थे, वह छवि पीछे छूट जाती है। हम जिस इंसान को बचाकर रखना चाहते थे वो मासूम, वो संवेदनशील, वो सोचने-समझने वाला इंसान ङ्क वह इस तेज रफ्तार में कहीं धुंधला पड़ जाता है। हम सुबह जागते हैं, मोबाइल उठाते हैं, सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हैं। हर कोई कुछ कर रहा है ङ्क किसी ने कोई बड़ी डील क्लोज की है, कोई विदेश घूम रहा है, कोई नया बिजनेस लॉन्च कर रहा है और हम बेचैन हो जाते हैं। लगता है हमें भी दौड़ना है। कहीं पीछे न रह जाएं।

लेकिन रुककर पूछने वाला कोई नहीं बचा कि क्या जिस रास्ते पर हम भाग रहे हैं, वह वाकई हमारे लिए है? कभी-कभी सबसे बहादुरी भरा कदम होता है रुक जाना। अपनी रफ्तार को धीमा करना। भीतर की आवाज सुनना। खुद से पूछना ङ्क ÷क्या मैं खुश हूं?÷ क्योंकि जीवन कोई प्रतियोगिता नहीं है। यह एक यात्रा है। और अगर इस यात्रा में आप सिर्फ भागते रहे और नज़ारे ही नहीं देखे, तो अंत में बस थकान बचेगी, अनुभव नहीं। कई बार जिनको हम पीछे समझते हैं, वे असल में अपने जीवन के सबसे सुंदर मोड़ पर होते हैं। वे चल रहे होते हैं ङ्क फूलों को देखते हुए, रिश्तों को सींचते हुए, अपने मन से बातें करते हुए। वे देर से पहुंचते हैं, पर सही जगह पहुंचते हैं। आज ज़रूरत इस बात की है कि हम रफ्तार को सफलता से न जोड़ें। सफलता वह नहीं जो तेज भागने से मिले, सफलता वह है जो अपने भीतर की सच्चाई को जीने से मिले। शायद हमें रुककर सोचने की जरूरत है ङ्क क्या हम जी रहे हैं या बस दौड़ रहे हैं?

इस बात को समझलीजिए कि भागने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आखिरी में जीवन कोई प्रतियोगिता नहीं है, वह तो एक धीमी नदी है, जो भीतर बहती है। जो जितना शांत होता है, वह उतना गहरा उतरता है। जो जितना धीरे चलता है, वह उतना अधिक देखता है।

# विपक्ष की कहानी में कितना दम?

**अजीत द्विवेदी**

भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी 'कागज' फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो!

पहले एक चुटकुले से शुरुआत करते हैं, फिर महान लेखक कृश्नचंदर की किताब 'एक गधे की आत्मकथा' का एक संदर्भ और तब राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा करेंगे। चुटकुला ऐसे है: एक व्यक्ति वोट डालने जाता है। वोट डाल कर मतदान करा रहे अधिकारी से पूछता है- देखना मेरी पत्नी आशा देवी वोट डाल कर चली गई? महिला अधिकारी सूची देख कर कहती है- हां, एक घंटे पहले ही वोट डाल कर चली गई। व्यक्ति आह भरते हुए कहता है- इसका मतलब है कि एक घंटे पहले आते तो भेंट हो जाती। अधिकारी हंसती है और पूछती है- मजाक कर रहे हैं, क्या घर में आप लोगों की भेंट नहीं होती है? व्यक्ति कहता है- मेरी पत्नी को मरे हुए 15 साल हो गए लेकिन हर बार हमसे एक घंटा पहले आकर वोट डाल जाती है! यह एक व्यंग्य है, जो हम लोग कई दशकों से सुन और सुना रहे हैं। इसका मतलब है कि मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम होते हैं और उनका वोट कोई और डालता है। यह प्रक्रिया आजादी के बाद से ही चल रही है।

भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी 'कागज' फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो!

बहरहाल, महान लेखक कृश्नचंदर की चर्चित किताब है 'एक गधे की आत्मकथा'। इसमें गधा पंडित जवाहरलाल नेहरू से भी मिलता है। उससे पहले वह उनकी सरकार के कुछ और मंत्रियों से भी मिलता है। उससे पहले उसकी मुलाकात दिल्ली के एक इलाके के थानेदार से होती है। थानेदार इस पर आश्चर्यचकित होता है कि गधा इंसानों की तरह बोल रहा है। वह कहता है कि उसने बहुत सारे इंसानों को तो गधों की तरह बोलते सुना है लेकिन पहली बार किसी गधे को इंसानों की तरह बोलते सुन रहा है। कहने का मतलब है कि गधा आदमी की तरह बोले तो आश्चर्य होता है लेकिन आदमी गधों की तरह बोलें, को कोई फर्क नहीं पड़ता है। राहुल गांधी का आश्चर्य उसी तरह का है। यानी मृत लोग जीवित लोगों की तरह मतदान करें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है लेकिन जीवित लोगों को मृत बता कर वोट काट दिया जाए तो वह बड़े आश्चर्य की बात है!

राहुल गांधी से लेकर योगेंद्र यादव और सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज इस बात पर ऐसे हैरान हो रहे थे, जैसे यह कोई अनहोनी बात हो। असल में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। मतदाता सूची में ऐसी खामियां होती हैं और यह व्यवस्था की वजह से होती है। चुनाव आयुक्त इसके लिए खासतौर से निर्देश नहीं जारी करते हैं। वैसे ही जैसे कई राज्यों में जीवित लोगों के नाम पेंशन की सूची से कट जाता है और वे भागदौड़ करते रहते हैं अपने को जीवित साबित करने के लिए। इसके लिए भी कहीं ऊपर से निर्देश नहीं आता है। सोचें, कोई 15 साल पहले जब आधार कार्ड बनना शुरू हुआ था तो बिहार में शाहरूख खान और सलमान खान के भी आधार कार्ड बन गए। क्या यूआईडीएआई के तत्कालीन प्रमुख नंदन नीलेकणी ने इसके लिए निर्देश दिए होंगे! एक समय बिहार में अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का वोटर कार्ड भी बन गया था तो क्या तत्कालीन चुनाव आयुक्त ने इसके लिए निर्देश भेजा होगा? ऐसे ही बिहार में लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का ड्राइविंग लाइसेंस बन गया था। तो क्या बिहार के परिवहन मंत्री या परिवहन सचिव ने नीचे आदेश देकर प्रभाकरण का लाइसेंस बनवाया? असल में यह व्यवस्था की खामी है कि कुछ जीवित लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाते हैं तो कुछ मृत व्यक्तियों के नाम सूची में रह जाते है या किसी के पिता का या पति का नाम गलत हो जाता है। यह काम चुनाव आयुक्त निर्देश देकर नहीं कराते हैं। बिहार में एसआईआर के पहले चरण के बाद जितनी शिकायतें सामने आई हैं उनको देख कर यही लग रहा है कि नीचे के कर्मचारियों की लापरवाही से कुछ गड़बड़ियां हुई हैं। ध्यान रहे एक सितंबर से 18 सितंबर के बीच सिर्फ 45 हजार शिकायतें आयोग को मिली हैं। यह काटे गए 65 लाख नामों के एक फीसदी से भी कम है।

तभी कुल मिला कर विपक्ष की कहानी में दम नहीं दिख रहा है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में दुनिया भर की गड़बड़ियां हुई हैं। बूथ लेवल अधिकारियों ने घर में बैठ कर मनमाने तरीके से फॉर्म भरे हैं और उन्हें जमा करा दिया है। लेकिन क्या पहले भी इसी तरह से मतदाता सूची नहीं बनती थी? क्या पहले इसी तरह से आधार नहीं बने हैं, क्या इसी तरह से जनगणना नहीं होती है और क्या इसी तरह से बिहार में जाति गणना के फॉर्म नहीं भरे गए थे? बिहार या कहीं के लोगों को इससे कोई मतलब नहीं है कि प्रक्रिया क्या रही। अंत नतीजा यह है कि सवा सात करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। अब उनको इस बात से कोई

मतलब नहीं है कि कैसे किसका नाम आया और कैसे किसका नाम कट गया। अगर 65 लाख लोगों के नाम कटे हैं, जिनमें कुछ नाम गलत तरीके से कट गए हैं तो उनसे भी बाकी लोगों को कोई मतलब नहीं है। उनके पास समय भी है कि वे फॉर्म छह भर कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं।

लेकिन विपक्षी पार्टियों को क्या कहा जाए? उनको लगता है कि बिहार आंदोलन की धरती है तो किसी भी बात पर आंदोलन हो जाएगा। ऐसे नहीं होता है। आंदोलन के लिए मुद्दा भी होना चाहिए और नेता भी जरूरी है। इस बार दोनों नहीं हैं। हर हार के बाद राहुल गांधी और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता कभी ईवीएम को दोष देते हैं तो कभी मतदाता सूची में गड़बड़ी को तो कभी चुनाव आयोग की धांधली को। इसमें भी समस्या नहीं है। विपक्ष को ऐसे आरोप लगाने चाहिए। लेकिन मुश्किल तब होती है, जब विपक्षी पार्टियां सचमुच मानने लगती हैं कि वे किसी धांधली या गड़बड़ी से हारी हैं और अगर गड़बड़ी नहीं होती तो वे चुनाव जीत जाते। क्या सचमुच विपक्ष की हार का मामला इतना सरल है? हो सकता है कि कुछ गड़बड़ियां होती हों लेकिन विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण हैं और भाजपा की जीत सिर्फ चुनावी धांधली की वजह से नहीं है। जहां तक व्यवस्था में गड़बड़ी का सवाल है तो उस मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड बहुत ज्यादा खराब है।

# वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

## विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस- 21 अगस्त, 2025

**ललित गर्ग**

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है- विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है- ÷समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना÷। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है। समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात् अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है।

बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है।

# कवच प्रणाली से लैस हुआ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का पहला रेल इंजन

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** भारतीय रेलवे द्वारा विकसित स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम कवच अब दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) में भी लागू होना शुरू हो गया है। इस कड़ी में 21 अगस्त को भिलाई इलेक्ट्रिक लोको शेड में लोको नं. 37704 WAP-7 को कवच प्रणाली से लैस कर दिया गया। यह SECR का पहला रेल इंजन है जिसमें यह उन्नत तकनीक स्थापित की गई है। इस उपलब्धि के मौके पर प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर और मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर मौजूद रहे।

**क्या है कवच प्रणाली :**कवच का उद्देश्य ट्रेन संचालन को 100त्न सुरक्षित और कुशल बनाना है।दो ट्रेनों के बीच आमने-सामने की टक्कर को रोकना। लोको पायलट को केबिन में ही रियल टाइम सिग्नल जानकारी उपलब्ध कराना।सिग्नल एवं स्पीड संबंधी दुर्घटनाओं की रोकथाम। RFID टैग से ट्रेन की सटीक स्थिति का निर्धारण। वायरलेस नेटवर्क के जरिए स्टेशन इंटरलॉकिंग, सिग्नल और फाटकों की जानकारी सीधे लोको पायलट को उपलब्ध कराना।

**परियोजना का दायरा :**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 551 लोकोमोटिव में क्रमिक रूप से कवच प्रणाली लगाई जाएगी। फिलहाल इसका कार्य नागपुर – झारसुगुड़ा रेलखंड से शुरू किया गया है।

**नेतृत्व और प्राथमिकता :**इस परियोजना को SECR के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन और सतत निगरानी में लागू किया जा रहा है। यात्रियों और रेल कर्मियों की संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कवच प्रणाली को आगे बढ़ाया जा रहा है।

**राष्ट्रीय स्तर पर कवच :**मार्च 2022 में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में कवच का सफल लाइव ट्रायल किया था। अब यह तकनीक पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर आधुनिक, सुरक्षित और उच्च गति वाली सेवाओं की रीढ़ बनने जा रही है।

# 25 सब इंस्पेक्टर बने TI, रायपुर के 6 अधिकारी भी शामिल

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में पदोन्नति प्रक्रिया के तहत 25 सब इंस्पेक्टर (SI) को निरीक्षक (TI) के पद पर प्रमोशन दिया गया है। यह प्रमोशन वर्ष 2025 की योग्यता सूची के आधार पर किया गया है। आदेश पुलिस महानिदेशक (DGP) अरुण देव गौतम ने जारी किया।रायपुर के 6 अधिकारियों को भी मिला प्रमोशन, प्रमोशन पाने वालों में राजधानी रायपुर के 6 सब इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। फिलहाल, सभी अधिकारियों को अपने वर्तमान पदस्थापना स्थल पर ही अस्थायी रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।नई पदस्थापना सूची जल्द पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि नई पदस्थापना सूची अलग से जारी की जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया है कि जिन अधिकारियों के खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण, विभागीय जांच या गंभीर शिकायत लंबित है, उनकी पदोन्नति पर रोक लगाई जा सकती है।

# मंत्री गजेंद्र यादव ने श्रीराम मंदिर में पूजा अर्चना की

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** मंत्री गजेंद्र यादव ने श्रीराम मंदिर में पूजा अर्चना की। उन्होंने ङ्ग पोस्ट में बताया, दुर्ग प्रस्थान से पूर्व, राजधानी के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में रामदरबार के दर्शन कर, प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि व मंगल की प्रार्थना की तथा छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया।दुर्ग के विद्युत नगर के एक छोटे से मकान में रहने वाले गजेंद्र यादव ने छात्र जीवन से ही राजनीति में कदम रख दिया था। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ व पूर्व मुख्यमंत्री अरुण वोरा को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।वार्ड अध्यक्ष से शुरुआत करने वाले गजेंद्र यादव नगर निगम पार्षद, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव और स्काउट गाइड के राज्य आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली है।गजेंद्र यादव का राजनीतिक सफर वर्ष 1996 में दुर्ग के साइंस कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई के दौरान शुरू हुआ।उस समय वे दिवंगत सांसद ताराचंद साहू के लोकसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय थे। उनकी सक्रियता को देखते हुए भाजपा ने वर्ष 1998 में उन्हें वार्ड अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी।वर्ष 1999 में भाजपा ने उन्हें दुर्ग नगर निगम चुनाव में कचहरी वार्ड से उम्मीदवार बनाया था। इन्होंने पांच बार के पार्षद और पूर्व उप महापौर खेमलाल सिन्हा को हराया था।

# छत्तीसगढ़ में सरकार लगाएगी 2 लाख 21 हजार 145 पौधे

## हर महीने मिलेगी 9 हजार रुपए सैलरी

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** छत्तीसगढ़ की साय सरकार 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान चलाएगी। इस अभियान के तहत प्रदेश में 2 लाख 21 हजार 145 पौधे लगाए जाएंगे। साय सरकार के इस अभियान का उद्घाटन करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के कौशल्या विहार (कमल विहार) में किया।इस अवसर पर डिप्टी सीएम साव ने कहा, कि कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना सभी का कर्तव्य है और हर नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू, विधायक मोतीलाल साहू और रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे भी उपस्थित थे। सभी ने कार्यक्रम स्थल पर पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की।

**SHG करेंगी पौधों की निगरानी:** डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया, कि इस अभियान में स्वसहायता समूहों (सात्र) की महिलाओं को जोड़ा गया है। चयनित स्थलों पर महिलाएं वृक्षारोपण करेंगी और पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेंगी। वर्तमान में इस अभियान से 1701 समूहों की 2300 से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा राज्य के नगरीय निकायों में वृक्षारोपण के लिए 444 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

**देश भर में चल रहा पौधारोपण अभियान :**MLA मोतीलाल साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देशभर में पौधारोपण अभियान लगातार चल रहा है। पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों से निपटने में यह अभियान सहायक होगा। उन्होंने कहा कि 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान को महिलाओं के माध्यम से प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

**रायपुर में 60 स्थानों पर पौधारोपण :**महापौर मीनल चौबे ने बताया कि रायपुर नगर निगम में अभियान के तहत 60 स्थानों पर पौधारोपण किया जाएगा। इसमें 232 महिला स्वसहायता समूहों की महिलाएं सक्रिय भूमिका निभाएंगी। उनका कहना था कि मातृ शक्ति ही इस अभियान को आगे बढ़ाएगी और यह महिलाओं को आर्थिक मजबूती के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देने का अवसर देगा।शहरों में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह अभियान भारत सरकार के 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम से प्रेरित है। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की पहल 'अमृत मित्र' के तहत स्वसहायता समूहों को प्रेरित किया गया है। मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों में सरकारी भूमि, वाटर बॉडीज, आंगनबाड़ी, स्कूल, अस्पताल, उद्यान, सड़क विभाजन और धार्मिक स्थलों पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

**169 नगरीय निकायों में चलेगा अभियान :**नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में कुल 2,21,145 पौधों के रोपण के लिए 684 परियोजनाओं के प्रस्ताव भेजे थे। इसमें से 444 परियोजनाओं को भारत सरकार ने स्वीकृत किया है, जिसके तहत 1,65,997 पौधे लगाए जाएंगे। प्रत्येक महिला को पौधों की देखभाल के लिए प्रतिमाह आठ हजार रुपए और जियो-टैगिंग एवं निगरानी कार्य हेतु एक हजार रुपए अतिरिक्त प्रदान किए जाएंगे। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देंगी।

# हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं को केंद्रीय जांच ब्यूरो कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे 6 अलग-अलग मामलों में दायर की गई अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।जमानत याचिका खारिज होने के पीछे एक मुख्य वजह यह भी बताई जा रही है कि आरोपियों ने अपने आवेदन के साथ आवश्यक शपथ पत्र जमा नहीं किया था। तोमर बंधुओं पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं और उन्हें पुलिस रिकॉर्ड में हिस्ट्रीशीटर घोषित किया गया है। इन पर धोखाधड़ी, रंगदारी और जमीन हड़पने जैसे कई आरोप हैं।हाल ही में इन पर दर्ज 6 अलग-अलग आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी, जिसके चलते उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए CBI कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका लगाई थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान, CBI कोर्ट ने पाया कि तोमर बंधुओं द्वारा दायर की गई अग्रिम जमानत याचिकाओं में कानून द्वारा अनिवार्य शपथ पत्र संलग्न नहीं था।बिना शपथ पत्र के किसी भी जमानत याचिका को अधूरा माना जाता है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने इस तकनीकी कमी को गंभीरता से लेते हुए, आरोपियों की याचिका को तत्काल प्रभाव से खारिज कर दिया।

# रायपुर में गणेश उत्सव के लिए प्रशासन ने जारी की सख्त गाइडलाइन

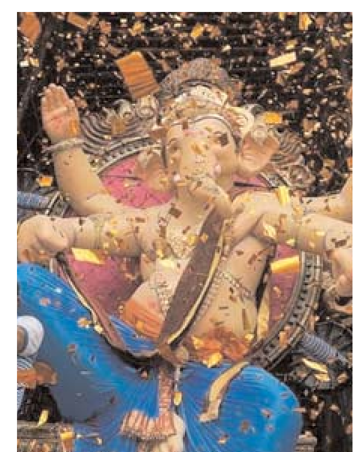

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** राजधानी रायपुर में गणेश उत्सव को लेकर जिला प्रशासन ने विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। सड़क पर पंडाल लगाने से पहले समितियों को प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। हर पंडाल में CCTV कैमरा लगाना और स्वयंसेवकों की तैनाती जरूरी होगी। एडिशनल कलेक्टर उमाशंकर बंदे और एडिशनल एसपी लखन पटले ने गणेश उत्सव समितियों की बैठक लेकर निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि एनजीटी के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। रात में विशेष निगरानी रहेगी और समितियों को सुरक्षा संबंधी सभी इंतजाम करने होंगे।झांकियों का रूट भी तय कर दिया गया है। शोभायात्रा शारदा चौक – जयस्तंभ – मालवीय रोड – कोतवाली चौक – सदरबाजार – सत्तीबाजार – कंकालीपारा – पुरानी बस्ती थाना – लीलीचौक – लाखेनगर – रायपुरा – महादेवघाट मार्ग से ही निकलेगी। शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक तक झांकियों की अनुमति नहीं होगी। विसर्जन केवल महादेवघाट कुंड में ही किया जाएगा। गाइडलाइन में यह भी कहा गया है कि झांकियों की ऊंचाई बिजली तारों से सुरक्षित दूरी पर रखी जाए, जनरेटर और वायरिंग सुरक्षित हों, और समितियां अपने सदस्यों व स्वयंसेवकों की सूची थाना प्रभारी को दें। विसर्जन के दौरान छोटे बच्चों और बुजुर्गों को साथ लाने से बचने की सलाह दी गई है।

# जनसम्पर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी, विद्याथी; युवाओं और विभिन्न वर्ग के लोगों ने की सराहना

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** जनसंपर्क विभाग द्वारा स्थानीय टाउन हॉल में लगाई गई राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान वीर क्रांतिकारियों के जीवनवृत्त पर आधारित इस छायाचित्र प्रदर्शनी को विद्यार्थियों, युवाओं सहित सभी वर्ग के लोगों ने सराहा। 15 अगस्त से लगाई गई इस प्रदर्शनी के अंतिम दिन बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी, युवा और विभिन्न वर्ग के लोग आए।प्रदर्शनी में राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारियों की स्मृतियों को बड़े ही आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी स्कूली विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक रहा।प्रतिदिन यहां प्रदर्शनी देखने के लिए आने वाले स्कूली विद्यार्थियों के लिए खेलो छत्तीसगढ़ ज्ञान प्रतियोगिता और वर्चुअल रियलिटी गेम्स का भी आयोजन किया गया । जिसमें विजयी प्रतिभागियों को तत्काल मिलने वाले पुरस्कार से प्रदर्शनी को लेकर स्कूली विद्यार्थियों और युवाओं में उत्सुकता रही। क्विज प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के इतिहास, भूगोल, पुरातत्व पर्यटन, संस्कृति, लोक कला, खेती-किसानी सहित अन्य विषय पर आधारित प्रश्न पूछे गए और सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।प्रदर्शनी के अंतिम दिन पीजी उमाठे स्कूल और पुलिस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का आनंद उठाया और प्रदर्शनी की सराहना की। छात्रा गायत्री धीवर और खुशबू साहू ने प्रदर्शनी के बारे में कहा कि यहां आजादी के लिये किए गए सभी संघर्षों और छत्तीसगढ़ के वीर क्रांतिकारियों के बारे में रोचक जानकारी दी गई है। इसी तरह रायपुर निवासी कावेश रघुवंशी ने बताया कि जनसंपर्क विभाग ने बहुत ही अच्छा आयोजन किया है, इस प्रकार की प्रदर्शनी समय-समय पर लगनी चाहिए जिससे आम नागरिकों को अपने इतिहास और संस्कृति की जानकारी मिले।उल्लेखनीय है कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विगत 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया था।

# छत्तीसगढ़ में 166 महतारी सदन के निर्माण को मिली मंजूरी

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने, सामायिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। शुरुआती चरण में राज्य सरकार ने 166 महतारी सदन के निर्माण की अनुमति प्रदान कर दी है। शुरुआती चरण में 166 में से तीन महतारी सदन मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले के लिए भी स्वीकृत किए गए हैं।गुरुवार को अजारी आदेश के अनुसार जिले के दुग्गी, कटकोना और ठग्गांव ग्राम पंचायत में महतारी सदन के निर्माण की स्वीकृति मिली है। प्रत्येक महतारी सदन के लिए 30-30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक महतारी सदन 25 सौ वर्गफुट में बनेगा। इसमें कमरा, बरामदा, हाल, किचन, स्टोररूम, पेयजल हेतु ट्यूबवेल और सामुदायिक शौचालय जैसी सुविधायें होंगी।स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मनेंद्रगढ़ की तीन ग्राम पंचायतों को पहले चरण में महतारी सदन की स्वीकृति देने के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का आभार प्रकट किया है। जायसवाल ने कहा है कि महतारी सदन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक साबित होगा।

# रायपुर में ठेकेदार की गुंडागर्दी पत्रकार को मारने की धमकी

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)।** ठेकेदार ने पत्रकार को खराब सड़क निर्माण की रिपोर्टिंग करने पर जान से मारने की धमकी दी है। फोन पर दी गई धमकी का वीडियो भी सामने आया है। ठेकेदार पत्रकार को कह रहा है कि मैं बहुत घटिया आदमी हूं, कैमरे के सामने 10 लोग के साथ मिलकर पीटूंगा। पत्रकारों ने पुलिस थाने समेत गृहमंत्री विजय शर्मा और डीजीपी को शिकायत दी है। यह पूरा मामला गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक पत्रकार नागेंद्र निषाद खुद का यूट्यूब चैनल चलाते हैं।नागेंद्र ने बताया कि वे जनता से जुड़े मुद्दों की कवरेज करते हैं। 18 अगस्त को उन्होंने अपने चैनल पर गोबरा नवापारा के वार्ड 3 में नवनिर्मित सड़क के गुणवत्ता को लेकर सवाल किया। इस खबर में वार्ड के लोगों ने खराब सड़क निर्माण को लेकर शिकायत की। इस कवरेज के बाद ठेकेदार रजत बंगानी ने पत्रकार को फोन किया।

**ठेकेदार गाली-गलौज कर धमकाने लगा :**ठेकेदार रजत बंगानी ने फोन पर पत्रकार से जमकर गाली-गलौज की। फिर उसे धमकाने लगा। ठेकेदार रजत बंगानी ने कहा कि यह सड़क उसने बनाई है, अगर वार्ड के लोगों को सड़क खराब लग रही है, तो इससे मतलब नहीं है। ठेकेदार धमकी देते हुए खबर को हटाने के लिए कहने लगा। लेकिन पत्रकार ने उसे मना कर दिया। जिसके बाद ठेकेदार भड़क गया।

**ठेकेदार बोला- कैमरे के सामने 10 लोगों के साथ मिलकर मारूंगा :**ठेकेदार ने पत्रकार को कहा कि वह उससे आकर मिले। उस जगह पर मिले जहां पर कैमरा लगा हो। वह आठ-दस लोगों के साथ मिलकर उसे मारेगा। मौके पर कैमरा रहेगा तो रिकॉर्डिंग अच्छी आएगी। इसके बाद ठेकेदार जनता को भी गाली देने लगा। इस पूरी धमकी का पत्रकार ने वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। उसने पुलिस थाने में शिकायत देकर ठेकेदार से जान का खतरा बताया है।इस मामले में पत्रकार नागेंद्र निषाद का कहना है कि ठेकेदार की धमकी के बाद उसने पुलिस थाने में शिकायत दी है। उन्होंने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

**नगर पालिका अध्यक्ष बोली- बहुत खराब काम किया :**इस मामले में गोबरा नवापारा की नगर पालिका अध्यक्ष ओम कुमारी साहू से दैनिक भास्कर में बातचीत की। ओम कुमारी ने कहा कि सड़क वार्ड नंबर 3 में बनी है। सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर ठेकेदार रजत बंगानी के समक्ष जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति की थी।इसके बाद उसने दोबारा सड़क निर्माण की बात कही। लेकिन सड़क की गुणवत्ता अब भी खराब है। वार्ड की जनता इसकी शिकायत कर रही है। ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने का प्रस्ताव देंगे।इस मामले में ठेकेदार रजत बंगाली का कहना है कि गाली देने का आरोप सही है, उसने गुस्से में बोला है। लेकिन सड़क निर्माण की गुणवत्ता में कमी नहीं है।

# 8 साल से पीएम आवास का नहीं मिला लाभ, ग्रामीणों ने जताया विरोध; जिला पंचायत का लगाया गेट, पुलिस को बुलाना पड़ा

**रतलाम, एजेंसी।** रतलाम के गांव घटला के ग्रामीणों को 8 साल से पीएम आवास का लाभ नहीं मिला है। ग्रामीण कांग्रेस नेताओं के साथ बुधवार को जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे। ऑफिस का गेट लगाकर बाहर सड़क पर धरने पर बैठे गए। कुछ देर बाद अतिरिक्त सीईओ निर्देशक शर्मा आए। ग्रामीणों को तकनीकी समस्या बताते हुए आवास का लाभ शासन स्तर से दिलवाने का आश्वासन दिया। लेकिन कांग्रेस नेता व ग्रामीण नहीं माने। बिना सूचना धरना देने और जिला पंचायत का गेट बंद करने पर पुलिस को शासकीय कार्य में बाधा की शिकायत कर दी। पुलिस पहुंची। ग्रामीणों को समझाया। उसके बाद वापस अतिरिक्त सीईओ को बुलाया और ज्ञापन सौंपा।

**एक साल से बता रहे समस्या :** रतलाम ग्रामीण युवा कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्रसिंह सेजावता, मानवेंद्रसिंह लुनेरा के साथ ग्राम पंचायत घटला के नई भटूनी, बोरवाना, डीजलशेड क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण जिला पंचायत पहुंचे थे। जिला पंचायत के मुख्य गेट को बंद कर दिया। गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए। जानकारी लगने पर अतिरिक्त सीईओ निर्देशक शर्मा आए। उन्होंने सरकार की नई नीति से अवगत कराते हुए कहा कि 274 पात्र लोगों के नाम जोड़े गए है। जिन लोगों के नाम सूची में नहीं आए है उनके नाम भी जोड़े जाएंगे। ताकि सभी पात्र को पीएम आवास मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी अपना नाम इस योजना में जुड़वाना चाहता है वह ग्राम पंचायत में जाकर आवेदन दे सकता है। ग्रामीणों का कहना था सिंतबर 2024 में जिला पंचायत सीईओ को इस बारे में अवगत कराया था। उस समय भी आश्वासन दिया था। 8 साल से आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। ग्रामीण व कांग्रेस नेता बात सुनने के लिए तैयार नहीं थे। तब एसीईओ लौट गए। ग्रामीण व कांग्रेस नेता धरने पर बैठ गए।

**पुलिस को बुलाना पड़ा :** काफी देर तक जब ग्रामीण व कांग्रेस नेता गेट के बाहर से नहीं हटे। बाहर ही धरने पर बैठे रहे। तब अतिरिक्त सीईओ ने स्टेशन रोड पुलिस को शासकीय कार्य में बाधा की शिकायत दर्ज करवा दी। थाने से पुलिस पहुंच गई। ग्रामीणों से चर्चा की। इसके बाद वापस ग्रामीण ज्ञापन देने के लिए तैयार हुए।

**कांग्रेस नेता व एसीईओ के हुई बहसबाजी :** अतिरिक्त सीईओ शर्मा वापस आए। उन्होंने कहा कि आपकी समस्या सुन ली है। आप ज्ञापन दे दीजिए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं व ग्रामीणों की बहसबाजी हो गई। ग्रामीणों का कहना था कि हमें 8 साल से केवल आश्वासन मिल रहा है। तब अतिरिक्त सीईओ ने कहा कि आप मुझसे क्या चाहते है। आवास देने का काम मेरा नहीं शासन का है। उसकी एक प्रक्रिया होती है। हम जो कर सकते हैं वो कर रहे हैं। तभी कांग्रेस नेता भी बहसबाजी करने लगे। तब अतिरिक्त सीईओ ने कहा ज्ञापन देना हो तो दो, नखरे मत दिखाओ। हम हमारे स्तर पर सारी प्रक्रिया करेंगे। इसके बाद ग्रामीणों ने ज्ञापन दिया। अतिरिक्त सीईओ ने ग्रामीणों को समय पर ग्राम पंचायत से जुड़े सारे टैक्स भरने की भी समझाइश दी।

**8 साल से ग्रामीण परेशान :** रतलाम ग्रामीण कांग्रेस युवा अध्यक्ष देवेंद्रसिंह सेजावता ने बताया घटला गांव शहीद चंपालाल का गांव है। तत्कालीन सीएम 12 साल पहले इसे आदर्श गांव घोषित कर चुके है। 8 साल से ग्रामीणों को पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिला। एक साल पहले भी आवेदन दिया था। केवल आश्वासन दिया जा रहा है।

**तकनीकी समस्या से नाम हट गए- अतिरिक्त सीईओ :** अतिरिक्त सीईओ निर्देशक शर्मा ने कहा कि ग्रामीणों की समस्या हमने सुनी है। इसका कारण बताया है। तकनीकी समस्या के कारण इनके नाम हट गए है। शासन द्वारा नया सर्वे कराया है। नए सर्वे में 274 लोगों के नाम जोड़े है। शासन से स्वीकृत होते ही इन्हें आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। यदि कोई पात्र व्यक्ति आवास योजना में नाम जुड़वाने से वंचित रहता है तो वह भी ग्राम पंचायत में आवेदन देकर अपना नाम जुड़वा सकता है। बिना सूचना दिए गेट बंद कर धरना दिया है। इससे शासकीय कार्य प्रभावित हुआ। इन्हें समझाया, लेकिन नहीं माने तो पुलिस में शिकायत करनी पड़ी।

## आकाशीय बिजली गिरने से मजदूर की मौत, बंडा कृषि उपज मंडी परिसर की घटना; चपेट में आने से दो लोग झुलसे

**सागर, एजेंसी।** सागर के बंडा में स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में बुधवार शाम बारिश के बीच अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। घटना में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं दो लोग झुलसे हैं। जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बंडा में बुधवार शाम अचानक गरज-चमक के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। बारिश के बीच कृषि उपज मंडी में मजदूरी का काम करने वाले अंगद पिता जुझार सिंह लोधी उम्र 40 साल निवासी पठार मोहल्ला बंडा काम पूरा कर हाथ-पैर धुलकर वापस आ रहे थे। तभी अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली की चपेट में आने से अंगद की मौत हो गई।

**दो घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा :** वहीं घटनास्थल के पास मौजूद जयकुमार अहिरवार उम्र 30 साल निवासी बंडा और राजाबाबू पिता भगवान सिंह लोधी उम्र 30 साल निवासी बमाना बिजली की चपेट में आने से झुलसे हैं। घटना देख मंडी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चेकअप के बाद अंगद को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जयकुमार और राजाबाबू का इलाज चल रहा है।

## बेटे ने पिता के चेहरे पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, कम भाव में प्याज बेचने पर हुआ विवाद; मां और पोती ने कंबल डालकर बचाई जान

**उज्जैन , एजेंसी।** जिले के बड़नगर में प्याज के कम दाम को लेकर हुए विवाद में बेटे ने गुस्से में पिता के चेहरे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मां और पोती ने कंबल डालकर आग बुझाई, जिससे बुजुर्ग की जान बच गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उज्जैन ग्रामीण एएसपी मयूर खंडेलवाल के अनुसार, ग्राम जाफला निवासी भूरे सिंह हाड़ा का बड़ा बेटा राजेंद्र सिंह 18 अगस्त को 10 कट्टे प्याज लेकर बदनावर मंडी गया था। वहां उसने सिर्फ पांच कट्टे प्याज बेचे और बाकी घर ले आया। पिता ने कम भाव मिलने पर आधे प्याज बेचने पर आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद बढ़ गया। गुस्से में राजेंद्र ने बोतल में रखा पेट्रोल पिता के चेहरे पर डाला और लाइटर से आग लगा दी। चीख-पुकार सुनकर मां चंदा बाई और पोती दौड़ीं और कंबल डालकर आग पर काबू पाया। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद राजेंद्र ने घरवालों को धमकी दी कि भविष्य में प्याज के भाव के बारे में पूछा तो जान से खत्म कर दूंगा। मां चंदा बाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पेट्रोल की बोतल और लाइटर जब्त किए गए। बुधवार को आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। एएसपी खंडेलवाल ने बताया कि आरोपी राजेंद्र पर हैं।

## पिपरी तालाब से 14 मोटरपंप के तार चोरीःखरगोन में एक सप्ताह में दूसरी वारदात, किसानों को 5 लाख का नुकसान

**खरगोन, एजेंसी।** खरगोन जिले के ऊन थानाक्षेत्र में पिपरी तालाब से सिंचाई के 14 मोटर पंप के कॉपर तार और केबल चोरी हो गए। किसानों को इस चोरी से 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। किसान प्रतिनिधि महेश पाटीदार के अनुसार, बुधवार-गुरुवार की रात को यह वारदात हुई। बदमाश मोटर पंप से तार काटकर और लंबी केबल चुराकर ले गए। एक सप्ताह में यह दूसरी वारदात है। इससे पहले भी इसी क्षेत्र में केबल और तार चोरी हुए थे।

**प्रत्येक किसान को 40-50 हजार रुपए का नुकसान :** तालाब में 5 से 10 हॉर्स पावर तक के पंप लगे थे। प्रत्येक किसान को 40 से 50 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। किसानों ने बताया कि बारिश नहीं होने के कारण उन्होंने पिछले 10 दिन में मोटर पंप लगाए थे। सिंचाई शुरू करने की तैयारी थी, लेकिन इस बीच बारिश होने से वे पंप घर वापस नहीं ला पाए। ऊन थाना प्रभारी अमर बिलवार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस किसानों के साथ मिलकर क्षेत्र में गश्त की योजना बना रही है। साथ ही ऐसी वारदातों में शामिल बदमाशों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। किसी संगठित गिरोह के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

## मिट्टी के गणेश बनाना सिखायाःरायसेन में लोगों ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ ली, स्वदेशी को बढ़ावा

**रायसेन, एजेंसी।** रायसेन के पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज में गुरुवार को माटी गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सांची विकासखंड की नवांकुर सखियों और प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी मिट्टी कला को बढ़ावा देने और हरित उत्सव की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सविता जमना सेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। वहीं कॉलेज जनभागीदारी अध्यक्ष कुशवाह, कृषक सहयोग संस्था के डॉ. एचबी सेन और जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक कल्याण सिंह राजपूत भी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में समितियों के कार्यकर्ता और छात्र-छात्राएं कार्यशाला में शामिल हुए।

## नर्मदापुरम में सामान्य बारिश का 74 फीसदी कोटा पूराः तवा डैम के 7 गेट खुले; 24 घंटे में औसतन पौन इंच बारिश हुई

**नर्मदापुरम, एजेंसी।** स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने के बाद नर्मदापुरम में दो दिनों से रुक रुककर बारिश का दौर जारी है। सुबह से मौसम खुला और धूप निकल रही। शाम होने से बारिश शुरू हो रही है। गुरुवार को सुबह से कभी बारिश तो कभी धूप निकल रही है। बारिश होने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है।

पिछले 24 घंटे में औसतन पौन इंच बारिश हुई है। दो दिन की बारिश के बाद अब तक जिले में औसतन 40 इंच पानी गिर चुका है। जिससे अब अगस्त का कोटा पूरा हो गया है। 31 अगस्त तक 40 इंच औसत बारिश होती है। जो इस बार 20 अगस्त तक हो गई है। हालांकि 30 सितंबर तक होने वाली बारिश का कोटा 54 इंच होता है। संभावना है यह कोटा भी पूरा हो जाएगा। इधर, तेज बारिश के कारण तवा बांध के 5 गेट भी खुले हैं। दो दिन से हो रही बारिश धान और सोयाबीन के लिए बहुत अनुकूल है। धान और सोयाबीन को फायदा पहुंचा है।

**31 जुलाई तक ही 35 इंच बारिश हो गई थी :** जिले में 18 जून को मानसून आया था, तब से 31 जुलाई तक तेज बारिश हुई है। 31 जुलाई तक ही 35 इंच बारिश हो गई थी। हालांकि इसके बाद अगस्त माह में कम बारिश हो रही थी। लोग फिर से गर्मी और उसम से परेशान होने लगे थे।

दो दिन से हो रही बारिश से राहत मिली है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बन रहा है। अभी जो बना है उससे दो दिन बारिश हो गई है। इसके अलावा नया सिस्टम बन रहा है। सितंबर माह में तेज बारिश होने का पूरा अनुमान है।

**तवा डैम के 7गेट 7-7फीट तक खोले :** तवा डैम के गेट बुधवार सुबह से खुले हुए है। गुरुवार सुबह से 7 गेट 7-7 फीट तक खोलकर 60 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इस नजारे को देखने के लिए पर्यटक पहुंच रहे है।

## किराएदार ने मकान मालिक पर किया हमलाःछतरपुर की विश्वनाथ कॉलोनी में महिला की मौत, बेटी का जिला अस्पताल में चल रहा

**छतरपुर, एजेंसी।** छतरपुर शहर की विश्वनाथ कॉलोनी में गुरुवार दोपहर करीब 12ः30 बजे एक किराएदार ने मकान मालिक महिला शरमन पाठक (35) और उनकी बेटी प्रियंका पाठक पर हमला कर दिया। हमले में शरमन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी महेश राय, जो पिछले एक साल से मकान में किराएदार के रूप में रह रहा था, घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी महेश राय नशे का आदि है और पुलिस ने उसकी पहचान कर ली है। सिटी कोतवाली थाना पुलिस आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

**बेटी भोपाल से रक्षाबंधन मनाने पहुंची थी :** बेटी प्रियंका भोपाल से रक्षाबंधन मनाने छतरपुर आई हुई थी। उसे गंभीर चोटें आई हैं और उसका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। मृतक शरमन पाठक के दो बेटे हैं। परिवार की एक बेटी का पहले ही निधन हो चुका है।

**आरोपी ने बका से हमला किया :** बताया जा रहा है कि यह झगड़ा समूह के पैसे को लेकर हुआ। आरोपी ने बका से हमला किया। घटना के दौरान मृतक की बेटी ने आरोपी का पीछा भी किया, इसी बीच आरोपी ने उस पर भी हमला किया।

**जल्द ही होगी गिरफ्तारी- सीएसपी :** सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया, सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत एक महिला की धारदार हथियार से हत्या की गई है। आरोपी की पहचान हो चुकी है, जल्द ही उसको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है।

## सीहोर में शख्स पर पशु क्रूरता का मामला दर्ज,आरोपी गिरफ्तार; पुलिस ने वीडियो के आधार पर पहचान की

**सीहोर, एजेंसी।** पशु क्रूरता का एक मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। घटना 20 अगस्त 2025 की रात करीब 12ः30 बजे की है। फॉरेस्ट कॉलोनी सीहोर निवासी हिमांशु परमार ने पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने पुराना बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति को गोवंश के साथ अप्राकृतिक कृत्य करते हुए देखा। शिकायतकर्ता ने घटना का वीडियो भी बनाया।

**वीडियो से की आरोपी की पहचान :** पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण चढ़ोकर और थाना प्रभारी रविंद्र यादव के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और शिकायतकर्ता द्वारा दी गई वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की पहचान प्यारे मियां के रूप में हुई है, जो पुराना बस स्टैंड सीहोर का रहने वाला है। उसे पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(ड्ड) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

## भुसावल मंडल के नए डीआरएम का बुरहानपुर दौराः स्टेशन व्यवस्थाओं का जायजा लिया, यात्री सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानी

**बुरहानपुर, एजेंसी।** भुसावल मंडल के नवनियुक्त डीआरएम पुनित अग्रवाल गुरुवार सुबह 11:30 बजे स्पेशल कोच से बुरहानपुर पहुंचे। उन्होंने स्टेशन की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

डीआरएम ने टेक्निकल विंग, स्टेशन मैनेजर कक्ष और सर्कुलेटिंग एरिया का दौरा किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

**सभी अच्छा काम कर रहे- डीआरएम :** टेक्निकल विंग की एजेंसियों के कार्य की समीक्षा में संतोष व्यक्त करते हुए डीआरएम ने कहा कि सभी अच्छा काम कर रहे हैं। स्टेशन मैनेजर द्वारा बताई गई समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। तीसरी और चौथी लाइन की कार्रवाई हेडक्वार्टर स्तर पर प्रगति पर है। डीआरएम ने बताया कि भारतीय रेलवे में नवाचार जारी है। भुसावल मंडल के कई स्टेशनों पर इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया जा रहा है। बुरहानपुर के बाद डीआरएम स्पेशल कोच से ट्रैक का विंडो इंस्पेक्शन करते हुए नेपानगर के लिए रवाना हुए।

# रक्षामंत्री को दिया विद्या भारती के सैनिक स्कूल का प्रस्ताव, सांसद बोले- संस्था के पास पर्याप्त जमीन; जल्द स्वीकृति दी जाए

**खंडवा, एजेंसी।** खंडवा में सैनिक स्कूल खोले की जाने की स्वीकृति को लेकर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह से मुलाकात की। दरअसल, सैनिक स्कूल का प्रस्ताव आरएसएस आधारित विद्या भारती से संबंधित पंडित दीनदयाल बाल कल्याण समिति का है। सांसद ने कहा कि, इस संस्था के पास सैनिक स्कूल के संचालन को लेकर पर्याप्त जमीन, भवन और अन्य संसाधन है। यह संस्था आवेदन भी कर चुकी हैं। वहीं शासन द्वारा निर्धारित सभी मापदंड पूरे करती है। बताया कि विद्या भारती द्वारा मालवा प्रांत में शिक्षा के क्षेत्र में कई स्कूल संचालित किए जा रहे है। खंडवा क्षेत्र के युवा राष्ट्रीय सेवा और रक्षा क्षेत्र में विशेष रुचि रखते हैं। सैनिक स्कूल की स्थापना से इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण सैन्य प्रशिक्षण, शैक्षिक प्रशिक्षण मिलेगा तो उनमें देश प्रेम की भावना का संचार होगा। राष्ट्र को योग्य व अनुशासित नागरिक मिल सकेंगे। जिला मुख्यालय खंडवा में सैनिक स्कूल की स्थापना के इस प्रस्ताव पर स्वीकृति दी जाए। मंत्री राजनाथसिंह ने सांसद पाटिल को आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। वहां भी वे स्टेशन का निरीक्षण करेंगे।

**खंडवा में बायो फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड लैब खोली जाए :** इधर, खंडवा जिले में बायो फर्टिलाइजर व बायोपेस्टिसाइड लैब की स्वीकृति के संबंध में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान से मुलाकात की। बताया कि खंडवा संसदीय क्षेत्र में जैविक खेती की अपार संभावनाएं है। नर्मदा नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है। 943 फीट से ऊपर पहुंच गया है।घटना उस समय हुई जब 13 साल का आकाश नहाते समय गहरे पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के लिए 19 साल का बड़ा भाई हेमेश ने नर्मदा में छलांग लगा दी। बच्चों के दादा कालू सिंह ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। जैविक खेती के लिए किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध होना जरूरी है। वहीं पूरे प्रदेश में इस समय गुण नियंत्रक प्रयोगशाला नहीं है। इस कारण अधिकांश नमूनों को जांच के लिए प्रदेश के दूरस्थ स्थानों पर अथवा प्रदेश से बाहर भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगता है। किसानों को समय पर सही जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती।

उर्वरक व जैव उर्वरक गुण नियंत्रक प्रयोगशाला में कृषि में प्रयुक्त कार्बनिक व अकार्बनिक उर्वरकों के नमूनों में तत्वों की मात्रा व नमी का परीक्षण किया जाता है। ताकि उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण आदेशानुसार मानकों को सुनिश्चित किया जा सके। जैव उर्वरक परीक्षण प्रयोगशाला (बायोपेस्टिसाइड) में ऐसे सूक्ष्म जीवों की संख्या व जीविता का परीक्षण किया जाता है जो पौधों को आवश्यक पोषक तत्व सरल रूप में उपलब्ध कराते हैं। यदि जिले में उर्वरक व जैव उर्वरक परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित हो जाती है, तो नमूनों का स्थानीय स्तर पर त्वरित विश्लेषण हो सकेगा।

# एशियन शूटिंग चैंपियनशिप, अनंत जीत सिंह नरुका ने स्कीट में गोल्ड जीता; भारत ने 19 मेडल के साथ टॉप स्थान बरकरार रखा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ओलिंपियन अनंत जीत सिंह नरुका ने 16वें एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में पुरुष स्कीट इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। कजाकिस्तान के शिमकेंट में चल रहे इस टूर्नामेंट में नरुका ने कुवैत के पूर्व एशियाई चैंपियन मंसूर अल रशीदी को फाइनल में 57-56 से हराया। पिछले साल उन्होंने कुवैत सिटी में सिल्वर मेडल जीता था। शिमकेंट शूटिंग प्लाजा में तीसरे दिन की प्रतियोगिता में नरुका ने दो दिन की क्वालिफिकेशन में 119 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। 60-शॉट के फाइनल में उन्होंने शुरू से ही बेहतर प्रदर्शन किया। पहले 30 टारगेट में से 29 को हिट किया और फिर 36 में से 35 टारगेट हिट करते हुए पहली बार बढ़त बनाई। अंतिम 10 शॉट्स में कुवैत के निशानेबाज से कड़ी टक्कर थी, लेकिन दोनों के एक-एक शॉट मिस करने के बावजूद नरुका ने बढ़त बरकरार रखी और जीत हासिल की।

**सौरभ - सुरुचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट ब्रॉन्ज मेडल जीता :** सौरभ चौधरी और सुरुचि इंदर सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस जोड़ी ने चीनी ताइपे की टीम को 17-9 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। सौरभ और सुरुचि ने क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 578 अंक हासिल किए और पांचवें स्थान पर रहकर मेडल राउंड के लिए क्वालीफाई किया। सुरुचि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली सीरीज में परफेक्ट 100 अंक स्कोर किए। हालांकि, दूसरी सीरीज में उनका स्कोर 94 रहा, लेकिन तीसरी सीरीज में उन्होंने 98 अंक बनाकर वापसी की। दूसरी ओर, सौरभ ने तीनों सीरीज में क्रमशः 95, 96 और 95 अंक बनाए। दोनों ने मिलकर क्वालिफिकेशन राउंड में 578 अंकों के साथ आठ टीमों के मेडल राउंड में जगह बनाई। संभव है कि, यह किसी गलती या तकनीकी कारण से हुआ हो। क्योंकि, आईसीसी की रैंकिंग में इससे पहले भी गलतियां हो चुकी हैं, जिन्हें बाद में ठीक कर लिया गया था। 3 साल पहले आईसीसी ने भारतीय टीम को गलती से टेस्ट की नंबर-1 टीम बना दिया था। फिर करीब ढाई घंटे के बाद इस गलती को ठीक किया गया था। बैटर्स में गिल टॉप पर कायम, बाबर दूसरे नंबर पर आए ताजा रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि बाबर आजम (739 अंक) दूसरे नंबर पर आ गए हें। गिल के अलावा, श्रेयस अय्यर ही दो भारतीय खिलाड़ी हैं, जो एक दिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग के टॉप 10 में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के शाई होप को 2 स्थान का फायदा हुआ है। बॉलर्स में केशव महाराज नंबर-1, कुलदीप को एक स्थान का नुकसान बॉलर्स में साउथ अफ्रीका के केशव महाराज नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। उन्हें 2 स्थान का फायदा हुआ हैं। केशव ने 687 रेटिंग प्वॉइंट्स हासिल किए और उनका करियर बेस्ट 741 है, जो 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोलकाता में मिला था। केशव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 5 विकेट लिए थे।

**महिला स्कीट टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता :** महेश्वरी चौहान (113), गणेमत सेखों (109) और रायजा ढिल्लों (107) ने कुल 329 का स्कोर बनाकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। चीन ने गोल्ड और कजाकिस्तान ने सिल्वर मेडल जीते।

**भारत का मेडल टैली में 19 मेडल :** भारत तीसरे दिन के अंत तक कुल 19 मेडल के साथ मेडल टैली में टॉप पर बरकरार है। जिसमें 9 गोल्ड, 5 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। तीसरे दिन बुधवार को 10 मीटर एयर पिस्टल में मिक्स्ड टीम ने जूनियर और यूथ में गोल्ड मेडल जीते। जबकि सीनियर्स में एक गोल्ड सहित दो ब्रॉन्ज मेडल मिले।

## ओलंपिक चैम्पियन इमान खलीफ ने संन्यास की खबरों का किया खंडन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अल्जीरियाई मुक्केबाज़ और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता इमान खलीफ ने बुधवार को अपने पूर्व मैनेजर द्वारा किए गए दावे को खारिज कर दिया कि वह बॉक्सिंग से संन्यास ले रही हैं। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 66 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण जीतने वाली खलीफ ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मेरे संन्यास की खबरें पूरी तरह झूठी हैं। 26 वर्षीय खलीफ ने अपने पूर्व मैनेजर नासिर यस्फाह पर भरोसा तोड़ने और झूठे बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह व्यक्ति अब किसी भी रूप में मेरा प्रतिनिधित्व नहीं करता। मैंने कभी संन्यास की घोषणा नहीं की। मैं अपने खेल करियर के प्रति पूरी तरह समर्पित हूं। अल्जीरिया और क़तर में नियमित अभ्यास कर रही हूं और आने वाली प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही हूं। गौरतलब है कि फ्रांसीसी अख़बार नाइस मातिन ने बुधवार को उनके पूर्व मैनेजर के हवाले से दावा किया था कि खलीफ ने बॉक्सिंग छोड़ दी है। विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप 4 से 14 सितंबर तक लिवरपूल में आयोजित की जानी है, जिसके लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि सोमवार तक है।

## पीकेएल 12 : दबंग दिल्ली केसी के कप्तान बने आशु मलिक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीज़न 12 में दबंग दिल्ली केसी एक बार फिर नई ऊर्जा के साथ उतरने को तैयार है। टीम ने पिछले सीज़न की तरह इस बार भी युवा रेडर आशु मलिक को कप्तान बनाए रखने की घोषणा की है। आशु सीज़न 11 में टॉप स्कोरर थे। सिर्फ 22 साल की उम्र में ही आशु ने लगातार शानदार प्रदर्शन और परिपक्व नेतृत्व क्षमता दिखाई है। दिल्ली की टीम पिछले छह सीज़नों से लगातार प्लेऑफ़ तक पहुंची है और इस बार भी आशु की अगुवाई में खिताब जीतने की उम्मीद कर रही है। टीम के सीईओ प्रशांत मिश्रा ने कहा, यह सीज़न हमारे लिए बेहद अहम है। लगातार छह बार प्लेऑफ़ तक पहुंचने के बाद अब हमारा लक्ष्य खिताब जीतना है। इसके लिए मजबूत नेतृत्व की जरूरत होती है और आशु ने खुद को इस भूमिका के लिए साबित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्य कोच जोगिंदर नरवाल ने भी आशु पर भरोसा जताते हुए कहा,आशु मलिक ने पिछले सीज़न में लगातार टीम को आगे बढ़ाया और एक अच्छे लीडर के रूप में खुद को स्थापित किया। इस बार हमारा लक्ष्य सिर्फ प्लेऑफ़ तक सीमित नहीं है बल्कि चैंपियनशिप जीतना है। दबंग दिल्ली केसी अपना पहला मुकाबला 2 सितंबर को बेंगलुरु बुल्स के खिलाफ खेलेगी। आशु मलिक की कप्तानी में टीम इस सीज़न में नई ऊर्जा और जीत के जज्बे के साथ मैदान में उतरेगी। संभव है कि, यह किसी गलती या तकनीकी कारण से हुआ हो। क्योंकि, आईसीसी की रैंकिंग में इससे पहले भी गलतियां हो चुकी हैं, जिन्हें बाद में ठीक कर लिया गया था। 3 साल पहले आईसीसी ने भारतीय टीम को गलती से टेस्ट की नंबर-1 टीम बना दिया था। फिर करीब ढाई घंटे के बाद इस गलती को ठीक किया गया था। बैटर्स में गिल टॉप पर कायम, बाबर दूसरे नंबर पर आए ताजा रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि बाबर आजम (739 अंक) दूसरे नंबर पर आ गए हें। गिल के अलावा, श्रेयस अय्यर ही दो भारतीय खिलाड़ी हैं, जो एक दिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग के टॉप 10 में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के शाई होप को 2 स्थान का फायदा हुआ है। बॉलर्स में केशव महाराज नंबर-1, कुलदीप को एक स्थान का नुकसान ॉलर्स में साउथ अफ्रीका के ॅइंट्स हासिल किए और उनका करियर बेस्ट 741 है।

## अजिंक्य रहाणे ने छोड़ी मुंबई की कप्तानी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वरिष्ठ बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने मुंबई रणजी टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया है। रहाणे ने कहा कि वह अब भी गर्व के साथ मुंबई के लिए खेलते रहेंगे लेकिन नए सीजन में टीम को एक नया कप्तान मिलना चाहिए।

रहाणे ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मुंबई टीम की कप्तानी करना और खिताब जीतना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। नए घरेलू सत्र की शुरुआत से पहले मुझे लगता है कि अब नए कप्तान को तैयार करने का सही समय है, इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया है। बतौर खिलाड़ी मैं पूरी प्रतिबद्धता के साथ खेलता रहूंगा और टीम को खिताब दिलाने की कोशिश करूंगा। सूत्रों के मुताबिक, मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) की चयन समिति पहले ही नए कप्तान की तलाश में थी और रहाणे ने इसे सहजता से स्वीकार कर लिया।

रहाणे की अगुवाई में मुंबई ने 2023-24 सीजन में आठ साल का खिताबी सूखा खत्म करते हुए 42वां रणजी खिताब जीता था। हालांकि, टीम पिछले सीजन सेमीफाइनल में विदर्भ से हारकर खिताब बचाने में नाकाम रही।

कप्तान के तौर पर रहाणे का रिकॉर्ड अच्छा रहा, लेकिन उनका बल्ला निरंतरता नहीं दिखा पाया। 2023-24 सीजन में उन्होंने 13 पारियों में सिर्फ 214 रन बनाए, जो उनके करियर का सबसे खराब रणजी प्रदर्शन रहा। अगले सीजन में उन्होंने 467 रन बनाए, लेकिन उनका औसत 35.92 ही रहा। अब कप्तानी छोड़ने के बाद रहाणे पर बतौर बल्लेबाज अपनी जगह बनाए रखने का दबाव रहेगा, क्योंकि कई युवा खिलाड़ी चयन के लिए तैयार हैं। चयन समिति की अगुवाई कर रहे संजय पाटिल को अब नया कप्तान तय करना होगा।

श्रेयस अय्यर के अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण पूरे सीजन से बाहर रहने की संभावना है। ऐसे में शार्दुल ठाकुर सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। हाल ही में उन्हें दलीप ट्रॉफी में वेस्ट ज़ोन की कप्तानी सौंपी गई थी। वहीं, उपकप्तान शम्स मुलानी और सिद्धेश लाड भी विकल्प हो सकते हैं।

## खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 में उतरेगा देश का युवा जोश, मप्र के खिलाड़ी भी ले रहे भाग

**भोपाल, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर की शान मानी जाने वाली डल झील अगले तीन दिनों तक खेल और उत्सव के रंगों में रंगी रहेगी। इस ऐतिहासिक और खूबसूरत झील में आज गुरुवार से शुरू हुआ पहला खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल-2025 न केवल खिलाड़ियों के हुनर की परीक्षा है, बल्कि जल क्रीड़ाओं को नई पहचान देने का भी प्रयास है। तीन दिवसीय इस आयोजन में देश के कोने-कोने से आए करीब 400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, वॉटर स्कीइंग, ड्रैगन बोट रेस और शिकारा स्प्रिंट जैसी स्पर्धाएं झील की लहरों पर खिलाड़ियों की ताकत और संतुलन की कहानी लिखेंगी। शिकारा स्प्रिंट को डेमो खेल के रूप में रखा गया है, जो कश्मीर की सांस्कृतिक पहचान को खेल के मंच पर भी प्रदर्शित करेगा।

**मध्य प्रदेश का 54 सदस्यीय दल शामिल :** इस आयोजन में मध्य प्रदेश का 54 सदस्यीय दल भी शामिल है, जिसमें 44 खिलाड़ी और 10 सहयोगी स्टाफ हैं। प्रदेश के खिलाड़ी इस राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में रोइंग और क्याकिंग-केनोइंग स्पर्धाओं में राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। दल का नेतृत्व वॉटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक दलबीर सिंह कर रहे हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मप्र के खिलाड़ियों को लेकर कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाएँगे।

**खेल और पर्यटन का अनोखा संगम:** डल झील का नाम सुनते ही पर्यटकों की आंखों के सामने शिकारे और हाउसबोट की तस्वीर उभर आती है। झील की यही पहचान अब खेलों के नए इतिहास से जुड़ रही है। इस आयोजन से जहां खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं जैसा अनुभव मिलेगा, वहीं पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा। आयोजकों का कहना है कि झील का शांत और आकर्षक वातावरण खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा और दर्शकों के लिए यह खेल किसी उत्सव से कम नहीं होगा।

**पांच खेलों की स्पर्धाएं, डेमो खेल भी शामिल :** इस फेस्टिवल में कुल 5 खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग (पदकीय स्पर्धा), वॉटर स्कीइंग, ड्रैगन बोट रेस और शिकारा स्प्रिंट (डेमो खेल) शामिल हैं। आयोजन में देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। डल झील की प्राकृतिक खूबसूरती और पर्यावरणीय महत्व को देखते हुए इस आयोजन को पर्यटन और खेलों का संगम माना जा रहा है। आयोजन समिति का मानना है कि इससे न केवल जल क्रीड़ाओं को नई पहचान मिलेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर भी खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

## महिल द हंड्रेडः सुपरचार्जर्स ने लंदन स्पिरिट को 8 विकेट से हराया

**लॉर्ड्स, एजेंसी।** महिला द हंड्रेड टूर्नामेंट में बुधवार रात खेले गए मुकाबले में फीबी लिचफील्ड की तूफानी अर्धशतकीय पारी और एनेबल सदरलैंड के ऑलराउंड प्रदर्शन (3/20 और नाबाद 29 रन) की बदौलत नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ने लंदन स्पिरिट को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ सुपरचार्जर्स ने इस सीजन में अपनी चौथी जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी का फैसला करने उतरी लंदन स्पिरिट की शुरुआत खराब रही। केट क्रॉस और ग्रेस बैलिंजर ने शुरुआती झटके दिए। जॉर्जिया रेडमेन (21 रन) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल पाया। निकोल कैरी और एनेबल सदरलैंड ने मिलकर पांच विकेट चटकाए, वहीं बैलिंजर ने भी दो विकेट झटके। हालांकि, इज़ी वोंग (24 रन) और चार्ली डीन ने 33 रन की अहम साझेदारी की, लेकिन दोनों धीमी गति से खेलते हुए टीम को केवल 90/8 तक ही पहुंचा पाई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरचार्जर्स को शुरुआत में झटका जरूर लगा जब रेबेका टायसन ने दोनों ओपनरों को सस्ते में पवेलियन भेजा। लेकिन इसके बाद लिचफील्ड और सदरलैंड ने कोई और मौका नहीं दिया। लिचफील्ड ने वोंग के एक ओवर में लगातार तीन चौके जमाकर लय पकड़ी और फिर आक्रामक खेल जारी रखा। सदरलैंड ने संयमित पारी खेलते हुए बीच-बीच में बड़े शॉट लगाए और वोंग की गेंद पर शानदार छक्का भी लगाया।

आखिरकार, लिचफील्ड (नाबाद 55 रन) ने 66वीं गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

**संक्षिप्त स्कोरकार्ड-**

लंदन स्पिरिट ङ्क 90/8 (100 गेंदों में) ङ्क जॉर्जिया रेडमेन 21, इज़ी वोंग 24; एनेबल सदरलैंड 3/20, ग्रेस बैलिंजर 2/12।

नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ङ्क 93/2 (66 गेंदों में) ङ्क फीबी लिचफील्ड 55*, एनेबल सदरलैंड 29*; रेबेका टायसन 2/6 नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स 8 विकेट से विजयी दिन के अन्य एकमात्र निर्णायक मुकाबले में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा ने जीएम जान-क्रिज़्स्टोफ़ डूडा को एक लंबे खेल में हराया, जो 100 चालों तक चला। इस जीत के साथ ही फिरोज़ा अब टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जहाँ उनके साथ भारत के प्रज्ञानानंद और अमेरिकी जीएम लेवोन अरोनियन भी शामिल हैं।

## लीग्स कप 2025: सुआरेज के दो गोलों से इंटर मियामी की जीत

**मियामी, एजेंसी।** इंटर मियामी ने अपने स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज के दम पर लीग्स कप क्वार्टर फाइनल में टाइग्रेस यूएएनएल को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। 38 वर्षीय उरुग्वे स्ट्राइकर ने दोनों हाफ में पेनल्टी पर गोल दागे और लियोनेल मेसी की गैरमौजूदगी में टीम के लिए हीरो बने। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस मुकाबले से बाहर रहे। हालांकि, वे 2 अगस्त को चोटिल होने के बाद पिछले हफ्ते लॉस एंजिलिस गैलेक्सी के खिलाफ लौटे थे और सब्सटीट्यूट के रूप में उतरकर गोल भी किया था। लेकिन क्वार्टर फाइनल में कोच ने उन्हें आराम देने का फैसला किया। तीसरे दौर में गुकेश का सामना अमेरिका के सैम सेवियन से होगा, जबकि प्रज्ञानानंद का मुकाबला अब्दुसत्तोरोव से होगा। दोनों भारतीय खिलाड़ी इस दौर में काले मोहरों से खेलेंगे। मैच का पहला गोल 20वें मिनट में आया जब टाइग्रेस डिफेंडर जेवियर एक्विनो के हैंडबॉल पर रेफरी ने पेनल्टी दी और सुआरेज ने इसे गोल में बदल दिया। इसके बाद मैदान पर गरमा-गरमी भी देखने को मिली, लेकिन सुआरेज ने साथी खिलाड़ियों को शांत किया। हाफटाइम पर इंटर मियामी के कोच जेवियर माशेरानो को रेफरी से बहस करने पर लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

67वें मिनट में एंजेल कोरिया ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए गोल दागकर टाइग्रेस को बराबरी दिलाई। लेकिन 87वें मिनट में एक बार फिर एक्विनो के हाथ से गेंद लगने पर पेनल्टी मिली और सुषहद्द5 ने गोलकीपर नहुएल गुजमान को धोखा देते हुए दूसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। इंटर मियामी ने 2023 में मेसी के पहले ख्स सीजन में लीग्स कप जीता था और अब टीम खिताब दोबारा हासिल करने की राह पर है। लीग्स कप के इस दौर के अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में टोलुका बनाम ऑरलैंडो सिटी, एलए गैलेक्सी बनाम पाचुका और सिएटल साउंडर्स बनाम प्यूब्ला के मैच खेले जाने हैं।

ट्रॉफी के अलावा इस टूर्नामेंट से कॉनकाकाफ चैंपियंस कप का टिकट भी दांव पर है। दोनों फाइनलिस्ट और तीसरे स्थान का विजेता इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेंगे, जबकि लीग्स कप चैंपियन सीधे चैंपियंस कप के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश पाएगा।

# एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने लाठियों से मारा

## कोरेक्स शीशियां लेकर एसपी से बढ़ते नशे की शिकायत करने पहुंचे थे

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज किया और उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पुलिस के पास पहुंचे छात्र संगठन कार्यकर्ता और पदाधिकारी भाग निकले। पूरा मामला गुरुवार शाम का है। रीवा में पिछले कुछ दिनों से अवैध नशीली सिरप की बिक्री और खुलेआम हो रही तस्करी पर बहस छिड़ी हुई है। बैक टू बैक ऐसे कई वीडियो भी सामने आए जहां शहर के बीचों बीच एसपी कार्यालय से महज 200 मीटर की दूरी पर ही कोरेक्स की बिक्री खुलेआम होती नजर आई। अब इस विषय को लेकर विपक्ष और लोग पुलिस और सरकार पर हमलावर है। सोशल मीडिया में भी लोग लगातार रीवा में अवैध नशीली सिरप की बिक्री को लेकर शासन प्रशासन को घूरते हुए नजर आते हैं। इन्हीं सब विषयों पर पुलिस का ध्यान आकर्षित करने के लिए छात्र संगठन अनोखे तरीके से विरोध करने एसपी कार्यालय पहुंचा था।

**संगठन का तर्क- नशे की चपेट में आ रहे छात्र:** छात्र संगठन का तर्क है कि कॉलेज में पढ़ने वाले युवा और छात्र अब मेडिकल नशे की चपेट में आ रहे हैं। जहां अनोखे तरीके से प्रदर्शन करते हुए एनएसयूआई के कार्यकर्ता बड़े-बड़े प्लास्टिक बैग में सैकड़ों नशीली सिरप की खाली शीशियां भरकर जब एसपी कार्यालय पहुंचे तो उसे देखकर पुलिस वालों की आंखें भी दंग रह गई। हालांकि शुरू में पुलिस ने छात्र संगठन के पदाधिकारियों को रोकने की कोशिश की लेकिन छात्र संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस बात पर अड़े रहे कि अब हम सबूत लेकर आए हैं। जिसे हम वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सौंपना चाहते हैं। पुलिस हर बार कोरेक्स बिक्री से इनकार करती है तो आखिर शहर की सड़कों गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर इतनी नशीली सिरप शीशियां कहां से पटी पड़ी हैं।

**प्रदेश सचिव बोला- पुलिस ने अंधाधुंध लाठियां मारीं:** एनएसयूआई के प्रदेश सचिव रवि सुमित सिंह ने बताया कि इतना संवाद चल ही रहा था कि पुलिस ने कुछ देखा ना कुछ सुना हम सभी छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते थे। लेकिन पुलिस तो जैसे सच्चाई को झुठला देना चाहती थी। उन्होंने आते ही पुलिस कर्मियों को लाठीचार्ज के निर्देश दे दिए। हम सभी छात्रों ने उनसे विनम्रता पूर्वक तरीके से निवेदन करने की कोशिश की। जिस पर उन्होंने हमारी एक नहीं सुनी। हमारे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी पर अंधाधुंध लाठियां चलवाई। छात्र संगठन इन धमकी और लाठीचार्ज से डरने वाला नहीं है। अगर हमारी आवाज को दबाने की कोशिश की गई तो हम आगे चलकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

# उप मुख्यमंत्री ने रीवा और सागर संभाग के सड़क निर्माण की समीक्षा की

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा और सागर संभाग के सड़क निर्माण की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा-शहडोल मार्ग पर छुहिया घाटी में सुरंग निर्माण के लिए डी.पी.आर. तैयार करने, रीवा जिले के ढेकहा तिराहे पर प्रस्तावित जंक्शन और चौराहा निर्माण कार्य (अनुमानित लागत 7.8 करोड़ रुपए), जो क्षेत्रीय यातायात और सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, को प्रस्ताव में शामिल करने के लिए कहा। इसके साथ ही रीवा-बनकुइया मार्ग (34 किमी अनुमानित लागत 178 करोड़ रुपए) के टू-लेन विथ पेव्ड शोल्डर उन्नयन एवं निर्माण कार्य और रीवा-बीड़ा सेमरिया मार्ग (गुदहा से सेमरिया, 15 किमी, 78.75 करोड़ रुपए) के कार्य को प्रस्ताव में शामिल कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अजगरहा इटहा मोड़ से दुवहा बहुरी बांध तक 14.10 किमी लम्बे पहुँच मार्ग के निर्माण हेतु शेष राशि की प्रशासनिक स्वीकृति एवं आवंटन के लिए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र करने के लिए कहा। इसके साथ ही रीवा जिले के रौसर चौराहे से कुठुलिया मार्ग पर बीहर नदी में जलमग्नीय पुल निर्माण की लागत भू-अर्जन और पहुँचमार्ग की लंबाई बढ़ने से पहुँचमार्ग के शेष निर्माण के लिये पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति की कार्यवाही शीघ्र करने के लिए कहा। उन्होंने रीवा से सीधी 4-लेन सड़क निर्माण, उमरिया से शहडोल टू-लेन सड़क, सागर बायपास, सागर-दमोह-कटनी, सागर से सतना और रीवा बायपास के कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और समय अनुसार कार्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा। प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग सुखवीर सिंह, एमडी एमपीआरडीसी भरत यादव उपस्थित रहे।

# पुरानी रंजिश में 2 गुट, एक-दूसरे के सिर फोड़े; 3 घायल, 1 गंभीर

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** थाना क्षेत्र के बहुती गांव में बुधवार रात दो गुटों के बीच मारपीट हुई। इस घटना में तीन लोग घायल हुए। घायलों को सिविल अस्पताल मऊगंज में भर्ती कराया गया है। विनय यादव को गंभीर चोटें आई हैं। सोनू पांडे का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। मोहम्मद खैराती के हाथ में गहरी चोट लगी है।

यह विवाद ग्लोबल एकेडमी स्कूल मोड़ पर स्थित मोहम्मद खैराती की दुकान से जुड़ा है। कुछ दिन पहले दुकान में विनय यादव से विवाद हुआ था। उस समय मामला सुलझ गया था। लेकिन बुधवार रात फिर से इसी बात को लेकर झगड़ा शुरू हो गया।

मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने आए सोनू पांडे और दुकानदार मोहम्मद खैराती भी घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह सामान्य विवाद है। इसे सांप्रदायिक रंग न दिया जाए।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायलों का इलाज सिविल अस्पताल में जारी है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी से लूट, बदमाशों ने पर्स छीना

## रेलवे स्टेशन से ऑटो से घर जा रही थीं, बोलीं- हाथ, पांव अबतक कांप रहे

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी और पूर्व बीजेपी विधायक ध्रुवनारायण सिंह की बहन से रीवा में लूट की वारदात हो गई। कुमुदिनी सिंह पूर्व मंत्री हर्ष सिंह की भी बहन हैं। उनके साथ ये वारदात बुधवार सुबह रीवा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई। कुमुदिनी सिंह बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से उतरकर घर जाने के लिए ऑटो में सवार हुई थीं। इसी दौरान एजी कॉलेज के पास बदमाशों ने झपट्टा मारकर एक व्यक्ति का मोबाइल छीन लिया।यह देखकर कुमुदिनी ने अपना बैग अपने और ड्राइवर के बीच रख लिया। इसके बाद भी बदमाशों ने उनका बैग तेजी से छीन लिया। घटना के बाद से कुमुदिनी सिंह डरी हुई हैं।

बुधवार को ही इसी जगह एक और महिला का भी बैग छीना। उसके बैग में 10 लाख रुपए के गहने होने की बात कही जा रही है। बता दें कि कुमुदिनी सिंह के पिता गोविंद नारायण सिंह एमपी के 6वें मुख्यमंत्री थे। वे 30 जुलाई 1967 से 12 मार्च 1969 तक प्रदेश के सीएम रहे। वहीं, भाई हर्ष सिंह शिवराज कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं।

**शिकायत कर बोलीं- मेरे साथ कुछ भी हो सकता था:** कुमुदिनी सिंह ने घटना की रिपोर्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि मेरे हाथ-पांव अभी तक कांप रहे हैं। घटना के बाद से मेरे भीतर डर बैठ गया है। आज आभास हो गया कि मेरे साथ कुछ भी हो सकता था। वो हमारे साथ किसी भी वारदात को अंजाम दे सकते थे।

**कुमुदिनी सिंह ने बताया कैसे हुई वारदात:** पीड़ित कुमुदिनी सिंह ने बताया कि हम जन्माष्टमी मनाने के लिए गए हुए थे। मैंने सोचा की ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक रहेगा, इसलिए वहां से बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से आई और रीवा से अपनी कार से सफर करने का मन बनाया।

जैसी ही ट्रेन से उतरी तो एक ऑटो वाले भैया आए। मैंने कहा मेरी कार आ रही है लेकिन उसने कहा कि मैं आगे तक छोड़ देता हूं। मैंने भी सोचा कि ठीक है जब तक कार नहीं आ जाती। तब तक थोड़ा शहर में कहीं बैठकर रेस्ट कर लेंगे, इसलिए रेलवे स्टेशन से चल पड़े।

**एक व्यक्ति का मोबाइल छीना, ये देखकर काफी डर गई:** जैसे ही एजी कॉलेज के पास पहुंचे, बदमाशों ने झपट्टा मारकर एक व्यक्ति का मोबाइल छीन लिया। यह देखकर मैं बहुत डर गई। मैंने अपने बैग को अपने और ड्राइवर के बीच रख लिया। इसके बाद भी बदमाश ने मेरे करीब आकर मेरा बैग इतनी जोर से छीना कि मैं तेजी से गिरने लगी। तभी मेरे पीछे बैठी महिला ने मुझे संभाला। मैं वहीं पर डर के मारे रोने लगी। मेरे पर्स में 30 हजार रुपए थे।

# जंगल में मिली 25 वर्षीय युवक की लाश, घर से 15 किमी दूर मिला बाइक मेकेनिक का शव; पुलिस जांच में जुटी

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के नारी वारी गांव निवासी 25 वर्षीय रंजीत कुशवाहा का शव बुधवार को गांव से करीब 15 किलोमीटर दूर जंगल में पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिला। रंजीत घर से काम पर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद किया। मामले में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस इसे प्रथम दृष्टया आत्महत्या मान रही है।

थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने बताया कि मृतक रंजीत कुशवाहा मेकेनिक था और बाइक की दुकान पर काम करता था। वह रोज तय समय पर घर लौट आता था, लेकिन बुधवार को घर नहीं पहुंचा। देर रात परिजन उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

**मुखबिर की सूचना पर मिला शव:** पुलिस को सूचना मिली कि जंगल में एक युवक का शव पेड़ से लटक रहा है। मौके पर पहुंची टीम ने शव की पहचान रंजीत कुशवाहा के रूप में की। परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया।

**परिजनों ने हत्या बताई, पुलिस बोली जांच जारी:** परिजनों का कहना है कि रंजीत को किसी तरह की समस्या नहीं थी और न ही उसने कभी आत्महत्या जैसी बात कही थी। उनका आरोप है कि यह सोची-समझी साजिश है। पुलिस ने कहा कि अभी परिजनों के बयान दर्ज किए जाने बाकी हैं। उनके कथन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

# मऊगंज में फेस रिकग्निशन सिस्टम का विरोध

## आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं फेस रिकग्निशन सिस्टम (चेहरा पहचान प्रणाली) और ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण को हटाने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आईं। गुरुवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन (सीटू संबद्ध) के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। यूनियन की जिलाध्यक्ष साधना त्रिपाठी और महासचिव अर्चना द्विवेदी ने कहा कि नए सिस्टम से टेक होम राशन वितरण में भारी दिक्कतें आ रही हैं।

**नेटवर्क की कमी और ओटीपी की समस्या:** यूनियन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि खराब नेटवर्क कनेक्टिविटी, ओटीपी धोखाधड़ी और कई लाभार्थियों के पास आधार से लिंक मोबाइल नंबर नहीं होने के कारण लाखों जरूरतमंद लोग राशन से वंचित हो रहे हैं। इससे न केवल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि कार्यकर्ताओं पर भी अनुचित दबाव बढ़ रहा है।

**यूनियन ने ज्ञापन में चार प्रमुख मांगें रखीं:** एफएसआर प्रमाणीकरण की अनिवार्यता तुरंत रद्द की जाए। सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को कंप्यूटर, लैपटॉप, अच्छे मोबाइल और वाई-फाई दिए जाएं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सभी लाभार्थियों को बिना किसी बाधा के पोषण आहार मिले। पोषण ट्रैकर एप की समस्याओं पर यूनियन प्रतिनिधियों के साथ एक त्रिपक्षीय बैठक बुलाई जाए। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो वे अपने आंदोलन को और भी तेज करेंगी।

# एसजीएमच अस्पताल में वॉर्ड बॉय ने सिक्योरिटी गॉर्ड को पीटा, शराब के नशे में डंडे से हमले का आरोप

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** संजय गांधी अस्पताल में बुधवार देर रात वॉर्ड बॉय और सुरक्षा गार्ड के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया कि वॉर्ड बॉय ने नशे में धुत होकर गार्ड पर डंडे से हमला कर दिया। घटना में सुरक्षा गार्ड राजेंद्र प्रसाद तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। अमहिया थाना पुलिस और अस्पताल चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह विवाद शांत कराया और घायल गार्ड के बयान दर्ज किए।

घायल सुरक्षा गार्ड ने बताया कि उसकी ड्यूटी 3 नंबर आईसीयू में थी। तभी सौरभ त्रिपाठी नाम का वॉर्ड बॉय, जो शराब के नशे में था, गाली-गलौज करने लगा। जब उसने रोकने की कोशिश की तो वॉर्ड बॉय ने डंडे से सिर पर हमला कर दिया।

**महिला सुरक्षा कर्मियों के साथ भी अभद्रता:** महिला सुरक्षा कर्मी नीता शुक्ला ने बताया कि अस्पताल के वॉर्ड बॉय आए दिन नशे में धुत होकर अभद्र व्यवहार करते हैं। कई बार कंपनी प्रबंधन से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बुधवार की घटना में भी जब महिला सुरक्षा कर्मियों ने घायल साथी को पुलिस थाने ले जाने की कोशिश की तो वॉर्ड बॉय रास्ता रोककर ऑटो के सामने खड़े हो गए।

**मरीजों के अटेंडरों से भी करते हैं मारपीट:** घायल गार्ड राजेंद्र तिवारी का कहना है कि वॉर्ड बॉय अक्सर मरीजों के अटेंडरों के साथ भी मारपीट करते हैं। यह उनकी रोजमर्रा की हरकत बन चुकी है, जिससे अस्पताल का माहौल बिगड़ता रहता है।

**प्रबंधन ने जांच के आदेश दिए:** अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

# ट्रक जप्त कर किसानों को वितरित की गई यूरिया खाद

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर जिले में निजी विक्रेताओं के यहां से अधिकारियों कर्मचारियों की निगरानी में खाद का विक्रय कराया जा रहा है। एसडीएम मनगवां संजय कुमार जैन द्वारा गतदिवस मनिकवार में खाद विक्रेता पवन गुप्ता का यूरिया से भरा ट्रक पकड़कर सड़क के किनारे ही किसानों को खाद का विक्रय कराया गया। इसी प्रकार मनिकवार में एक घर में अवैध खाद के भण्डारण की सूचना पर घर को सील किया गया। आनलाइन स्टाक का भौतिक सत्यापन के मिलान न होने पर संतोष ट्रेडर्स विड़वा को सील किया गया। जिले में खाद विक्रेताओं की दूकानों की जांच व खाद की उपलब्धता की जांच अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

# बारिश समाप्त होते ही सड़कों में सुधार का कार्य शुरू करें, दुर्घटनाएं रोकने के लिए सड़कों पर समुचित प्रबंध करें : कलेक्टर

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सड़क दुर्घटनाएं रोकने तथा सड़कों के निर्माण कार्य की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सड़क निर्माण से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी जिले के सड़क नेटवर्क की जानकारी ई डॉर पोर्टल पर दर्ज करा दें। पोर्टल में दुर्घटना के संबंध में एलर्ट आने पर सड़क संबंधी जानकारी तत्काल दर्ज करें। सड़क निर्माण से जुड़े सभी अधिकारी बारिश समाप्त होते ही सड़कों में सुधार का कार्य शुरू करा दें। इसके लिए टेण्डर तथा अन्य कार्यवाहियाँ समय पर कर लें। ओवरब्रिज एवं पुलों में भी मेंटीनेंस का कार्य नियमित रूप से करें। सड़क निर्माण से जुड़े भू अर्जन के प्रकरणों की जानकारी हर सप्ताह टीएल बैठक में प्रस्तुत करें जिससे इनका समय पर निराकरण किया जा सके। सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए तय समय सीमा में निर्माण पूरा कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि रीवा जिला दुर्घटना संवेदनशील 6 जिलों में शामिल है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल उचित प्रबंध करें। रीवा-मनगवां रोड तथा मनगवां से चाकघाट तक हाइवे पर अवैध रूप से बनाए गए कट्स बंद कराएं। इन सड़कों पर अवैध निर्माण तथा अतिक्रमण को संबंधित एसडीएम के सहयोग से दूर कराएं। कलवारी मोड़ तथा गढ़ में ढावों के समीप वाहनों के सड़क पर खड़े होने से कई दुर्घटनाएं हुई हैं। इन स्थानों में उचित साइनबोर्ड लगाएं तथा वाहनों को सड़क पर खड़ा करने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही करें। सोहागी घाट में सड़क सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। बेला-सिलपरा रिंग रोड तथा रीवा बायपास सड़क का निर्माण भी तय सीमा में सुनिश्चित करें। कार्यपालन यंत्री सेतु मनगवां ओवरब्रिाज में जलभराव और सड़क क्षतिग्रस्त होने के संबंध में रिपोर्ट तैयार करें। साथ ही इसमें सड़क सुधार का कार्य तत्काल कराएं। बैठक में कलेक्टर ने बदवार-सीतापुर मार्ग, रतहरा से चोरहटा मॉडल रोड, सिरमौर से डभौरा प्रस्तावित सड़क निर्माण तथा रीवा-सीधी फोरलेन सड़क निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में कार्यपालन यंत्री एनएच पीडब्ल्यूडी अनामिका सिंह ने बताया कि डभौरा से सिरमौर सड़क में टेण्डर की कार्यवाही की जा रही है। इसकी लागत 311 करोड़ है। अक्टूबर माह से इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। कार्यपालन यंत्री सड़क विकास निगम विनोद तंतुवाय ने बताया कि सोहागी घाट में सुधार के लिए टेण्डर की कार्यवाही की जा रही है। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से यहाँ कार्य शुरू हो जाएगा। कलवारी मोड़ में सुरक्षा के उपाय करने के साथ-साथ यहाँ ओवर ब्रिज निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।